अषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष 20 वर्ष, अंक 242 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 27 अगस्त 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप "अहंब्रह्मास्मि" की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

काबुल एयरपोर्ट के बाहर सीरियल ब्लास्ट

दो धमाकों में अब तक 13 लोगों की मौत, जान बचाने के लिए अफरा-तफरी

काबुल (एजेंसी)। काबुल के हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आतंकी हमलों को लेकर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने जो आशंका जताई थी वह सच साबित हुआ है। काबुल एयरपोर्ट के बाहर कुछ ही मिनटों के भीतर दो धमाके हुए हैं। अल-जजीरा ने अब तक इन धमाकों में 13 लोगों की मौत की की सूचना दी है। अभी तक किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन यहां इस्लामिक स्टेट के हमले को लेकर अलर्ट जारी किया गया था। तालिबान ने हमले में बच्चे सहित कम से कम 13 लोगों के मारे जाने की बात कहते हुए इसे संभावित आत्मघाती हमला बताया है। धमाके के बाद एयरपोर्ट पर अफरातरफी का माहौल है। काबुल से आईं तस्वीरों में लोगों को लहूलुहान और जान बचाकर भागते हुए देखा जा सकता है। पहला धमाका एयरपोर्ट के अब्बे गेट पर हुआ है तो दूसरा धमाका बरून होटल के पास हुआ है।

इस होटल में ब्रिटेन के सैनिक ठहरे हुए हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। गुरुवार शाम पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि है कि काबुल एयरपोर्ट के बाहर धमाका हुआ है। हालांकि, उन्होंने इस पर कुछ नहीं कहा है कि इसमें कितने लोग हताहत हुए हैं। कुछ देर बाद किर्बी ने अपडेट देते हुए कहा कि हमले में अमेरिकी और आम नागरिकों सहित कई लोग हताहत हुए हैं। एक हमला अब्बे गेट के पास हुआ है तो दूसरा धमाका बेरून होटल के पास हुआ है। हमले की खबर आने से कुछ मिनटों पहले ही इटले के सैन्य विमान पर भी गोलीबारी की सूचना दी गई थी। 15 अगस्त को काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद से बड़ी संख्या में लोग देश छोड़कर भाग रहे हैं और एयरपोर्ट पर हजारों की संख्या में एकत्रित हैं। अमेरिका, भारत सहित अधिकतर देश अपने नागरिकों के साथ इन लोगों को बाहर निकालने में जुटे हैं। तालिबान ने विदेशी सैनिकों को 31 अगस्त तक काबुल से निकल जाने को कहा है। अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने सुरक्षा अलर्ट जारी करते हुए अपने नागरिकों को काबुल में हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास खतरे का हवाला देते हुए वहां की यात्रा करने से बचने के लिए कहा था। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने भी इस्लामिक स्टेट की ओर से हमले की आशंका जाहिर की थी। अमेरिकी दूतावास ने कहा था, काबुल हवाई अड्डे के द्वार के बाहर सुरक्षा खतरों के कारण हम अमेरिकी नागरिकों को हवाईअड्डे की यात्रा करने से उस समय तक बचने की सलाह दे रहे हैं, जब तक कि ऐसा करने के लिए अमेरिकी सरकार के प्रतिनिधि से व्यक्तिगत निदेर्श नहीं मिलते। दूतावास ने यह भी कहा कि जो अमेरिकी नागरिक काबुल हवाई अड्डे के एबी गेट , ईस्ट गेट अथवा नॉर्थ गेट पर हैं, उन्हें तुरंत वहां से निकल जाना चाहिए।

काबुल एयरपोर्ट पर धमाकों की निंदा करके तालिबान ने झाड़ा पल्ला, अमेरिका ने कहा- इस्लामिक स्टेट की करतूत

काबुल (एजेंसी)। काबुल एयरपोर्ट के बाहर धमाकों से तालिबान ने पल्ला झाड़ लिया है तो अमेरिकी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक स्टेट की करतूत बताया है। अफगानिस्तान की राजधानी में हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के बाहर दो धमाकों में कम से कम 13 लोगों की मौत हुई है तो दर्जनों घायल हैं। हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन जैसे देशों ने आज ही एयरपोर्ट के पास हमलों की चेतावनी देते हुए अपने नागरिकों को दूर रहने को कहा था। एपी ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा है कि काबुल एयरपोर्ट पर धमाके निश्चित तौर पर इस्लामिक स्टेट की ओर से किए गए हैं।

काबुल हवाई अड्डे पर सीरियल ब्लास्ट की भारत ने की निंदा, कहा- आतंक के खिलाफ एक साथ आने की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने गुरुवार को काबुल हवाई अड्डे के पास हुए घातक बम धमाकों की कड़ी निंदा की और कहा कि इन धमाकों ने एक बार फिर उस आवश्यकता को उजागर किया है कि आतंक के विरुद्ध दुनिया को एक साथ आने की जरूरत है। रूसी अधिकारियों के हवाले से एसोसिएटेड प्रेस की खबर के अनुसार दो बम धमाकों में कम से कम 13 लोग मारे गए हैं और 13 अन्य घायल हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, आज के हमलों ने आतंक और आतंकवादियों को प्रश्रय देने वालों के विरुद्ध विश्व के एकमत से खड़े होने की आवश्यकता को सुदृढ़ किया है। मंत्रालय ने हमलों में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना भी प्रकट की।

बेटियों ने देश को हमेशा गर्व का अहसास कराया : राष्ट्रपति कोविंद

लखनऊ (एजेंसी)। बेटियों को जब भी मौका मिलता है, वे गर्व करने मौका देती हैं। यह हाल ही में सम्पन्न हुए टोक्यो ओलम्पिक खेलों के दौरान भी दिखा, जब बेटियों ने देश के लिए मेडल जीते और यहां विश्वविद्यालय में भी बेटियों के गोल्ड मेडल बेटों से ज्यादा हैं। यह कहना था देश के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का। वह गुरुवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के नवें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे थे। उनके साथ देश की प्रथम महिला सविता कोविंद, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विवि के कुलाधिपति डॉ. प्रकाश सी बरतूनिया, कुलपति डॉ. संजय सिंह भी मंच पर मौजूद थे। विश्वविद्यालय के 'भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह' में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के सात मेधावियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए। इनमें स्नातक के दो छात्र, पीजी के दो छात्र, एमफिल के दो छात्र शामिल थे। साथ ही इतिहास विभाग की अंजू रावत को आरडी सोनकर फाउंडर समता समाज अवॉर्ड भी राष्ट्रपति ने प्रदान किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रपित रामनाथ कोविंद ने कहा कि यह एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जिसके दीक्षांत समारोह में मैं दूसरी बार शामिल हो रहा हूं। इससे पहले 2017 में यहां आया था। यह देखकर अच्छा लग रहा है कि तब जो सुझाव दिए थे, उनपर काम किया गया है और यहां एलुमिनाई एसोसिएशन की स्थापना की गई।उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के समावेशी विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय को डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर सांस्कृतिक केंद्र के साथ तालमेल स्थापित कर बाबासाहेब के विचारों को प्रसारित करने का सुझाव दिया। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति को युवाओं की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप बताया। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा इस दिशा में उठाए गए कदमों की प्रशंसा भी की।

छत्तीसगढ़ः छिनेगा बघेल का ताज?

कल की मीटिंग से पहले सिंहदेव बोले- हर खिलाड़ी रखता है कप्तान बनने की चाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की कुर्सी जाएगी या फिर रहेगी? अभी इस पर संशय बरकार है। इस बीच राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टीएस देवसिंह ने गुरुवार को कहा कि जो कोई भी खिलाड़ी जो टीम में है वो कप्तान बनने की चाह रख सकता है। आपको बता दें कि राज्य के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शुक्रवार को दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ एक बार फिर मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात से पहले स्वास्थ्य मंत्री का यह बयान काफी अहम माना जा रहा है। मंगलवार को बघेल और सिंहदेव ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से मुलाकात की थी। टीएस सिंहदेव अभी भी दिल्ली में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि 'अगर कोई इंसान टीम में खेलता है। तो क्या वो कप्तान बनने के बारे में नहीं सोचता है? सभी लोग इसके बारे में सोचते हैं। लेकिन सवाल सोच का नहीं है। यह क्षमता की बात है। शीर्ष नेतृत्व एक फैसला लेता है। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पार्टी ने कभी भी ढाई-ढाई साल के समझौते पर सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहा है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि भाइयों में भी विरोध होता है। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व की तरफ से दी जाने वाली जिम्मेदारी को वो निभाएंगे। सिंहदेव ने आगे कहा कि वो (भूपेश बघेल) पचास साल या दस साल या दो साल के लिए सीएम हो सकते हैं। यह फिक्स नहीं है। मजबूत प्रतिस्पर्धा की जगह हमेशा रहती है।

भूपेश बघेल के करीबी कुछ वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि सीएम पार्टी नेताओं के साथ शुक्रवार को एक और बैठक करेंगे। कई सारी चीजों पर अभी भी चर्चा नहीं हुई हैं। शुक्रवार को राहुल गांधी के साथ सीएम की अलग से बैठक हो सकती है। कई ऐसी चीजें थीं जिसपर मंगलवार को चर्चा नहीं हो सका था क्योंकि राहुल गांधी को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जाना था। मुख्यमंत्री के कुछ करीबी नेताओं ने नाम ना बताने की शर्त पर कहा है कि इस उथल-पुथल के बीच करीब 10 विधायक और कम से कम दो मंत्री दिल्ली भी जाने की सोच रहे हैं। वो लोग खुद से दिल्ली जा रहे हैं। उन्हें पता है कि अगर सीएम बदल जाते हैं तो राज्य की पूरी राजनीति और राजनीतिक परिदृश्य बदल जाएगा।

नवनिर्मित शौचालय की टंकी में गिरे बच्चे को बचाने की कोशिश में 4 की मौत

कोटवा (एजेंसी)। पूर्वी चम्पारण के अहिरौलिया गांव में गुरुवार की देर शाम बड़ा हादसा हो गया। नवनिर्मित शौचालय की टंकी में दम घुटने से चार लोगों की मौत हो गयी। सभी अहिरौलिया गांव के वार्ड संख्या 10 कुम्हारपट्टी के रहने वाले थे। खेलने के दौरान टंकी में एक बच्चे के गिरने के बाद बचाव में गए चारों गए थे। बच्चे की हालत गंभीर है। इलाज के लिए उसे कोटवा के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। सदर डीएसपी अरुण कुमार गुप्त ने बताया कि सभी के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों में गाजर पंडित का पुत्र राजू पंडित (37), पारस साह का पुत्र बिगू साह (45), रामप्रीत साह का पुत्र राहुल साह (20) व मुकेश पंडित का पुत्र नीरज पंडित (13) वर्ष शामिल हैं।

सदर डीएसपी ने बताया कि राकेश पंडित का छह वर्षीय पुत्र अमित उर्फ गुलेल खेलने के दौरान नवनिर्मित शौचालय की टंकी में गिरा था। वह अभी जख्मी है। उसका इलाज कोटवा के एक निजी नर्सिंग होम में चल रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि खेलने के दौरान राकेश पंडित का पुत्र दुखी पंडित के नवनिर्मित शौचालय की टंकी में गिर गया। उसे निकालने के लिए शौचालय की टंकी में एक- एक कार चार लोग घुसे। मगर टंकी में ऑक्सीजन की कमी के वजह से दो लोग टंकी से बाहर नहीं निकले।

दम घुटने से दोनों की मौत हो गयी। अन्य दो लोग बच्चे को लेकर किसी तरह बाहर निकले। बच्चे सहित तीनों को इलाज के लिए कोटवा के एक निजी अस्पताल में लाया गया, जहां से मोतिहारी रेफर किया गया। मुफस्सिल के एक निजी नर्सिंग होम में पहुंचते ही दोनों ने दम तोड़ दिया। निजी नर्सिंग से दोनों शव को परिजन लेकर कोटवा थाने पर चले गये। कोटवा के एसएचओ नितीन कुमार शवों को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा है।

यूएस कैपिटल हिंसा बुरे फंसे पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप, पुलिस के सात अधिकारियों ने दर्ज कराया मुकदमा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ यूएस कैपिटल पुलिस के साथ अधिकारियों ने मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस अधिकारियों ने यह मुकदमा इस साल 6 जनवरी को कांग्रेस पर हुए जानलेवा हमले को लेकर दर्ज कराया है। पुलिस अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि उन्होंने दूर-दराज़ चरमपंथी समूहों को प्रेरित किया था।एक न्यूज के अनुसार लिस अधिकारियों ने वाशिंगटन डीसी के संघीय कोर्ट में मुकदाम दायर करते हुए आरोप लगाया कि हमला डोनाल्ड ट्रंप के बयानबाजी से प्रेरित था। अधिकारियों ने ट्रंप पर आरोप लगाया है कि उन्हें इस हिंसा की बात का अंदाजा था। इसके बाद भी उन्होंने इसे रोकने के बजाय सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया।

छलकपट से यूपी में विकास की घड़ी की सुई पीछे करना चाहती है भाजपा : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा चालाकी से लोकतंत्र पर अवैध कब्जा करने के षड्यंत्र में लगी है। झूठ और छलकपट के साथ वह प्रदेश में विकास की घड़ी की सुई पीछे करना चाहती है। भाजपा को यह पता चल गया है कि जनता उसे हटाने जा रही है। अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि जनता को लोकतंत्र बचाने के लिए पूरी सतर्कता और समझदारी से काम लेना होगा। यही आज का सबसे बड़ा राष्ट्रधर्म है। सपा प्रमुख ने कहा भाजपा की नीति और नीयत को देखते हुए तो ऐसा लगता है कि भाजपा कंपनी की सरकार बनाने पर तुली है।भारत में ईस्ट इण्डिया कंपनी ने सरकार बनवाई थी। भाजपा सरकार को कंपनी बनाने के कार्य में लगी है। भाजपा का एजेंडा समाज से विषमता मिटाना नहीं, अमीरी और गरीबी के फासले को विस्तार देना है। अखिलेश ने कहा कि देश की राजनीति संक्रमण के दौर से गुजर रही है। स्वतंत्रता आंदोलन की सभी मान्यताएं ध्वस्त की जा रही है। संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। अकेले समाजवादी ही भाजपा की कुनीतियों का मुकाबला कर सकते हैं।

दिल्ली में अफगान स्कूल पर अनिश्चितता के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कई सालों से दिल्ली में अफगानों के लिए स्कूल चल रहा है. अधिकांश बाहरी लोग इस स्कूल से अनजान हैं. इस अफगान स्कूल ने पिछले कई वर्षों से दिल्ली में संकटग्रस्त अफगान समुदाय के लिए आशा की किरण के रूप में काम किया है.दिल्ली के भोगल इलाके में जमाल-अल-दीन अफगानी नामक एक अफगान स्कूल है. इस समय यहां कक्षा 1 से 12वीं तक के 500 से अधिक बच्चे पढ़ते हैं. हालांकि, तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने के साथ ही स्कूल के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे है। यह स्कूल वित्तीय सहायता के लिए अभी तक अफगान सरकार पर निर्भर था. प्रसिद्ध शिक्षाविद् प्रोफेसर एएम शाह के मुताबिक, ठमौजूदा स्थिति में ऐसी आशंका है कि युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में राजनीतिक उथल-पुथल के असर से स्कूल बंद हो सकता है।

कोरोना के खिलाफ मिलने जा एक और हथियार, अक्टूबर से उपलब्ध हो सकता है जाइडस कैडिला का टीका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में देश को जल्द ही जाइडस कैडिला टीके के रूप में एक और बड़ा हथियार मिलने जा रहा है। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि जाइडस कैडिला का सुई रहित कोविड-19 टीका जाइकोव-डी अक्टूबर के पहले सप्ताह से उपलब्ध हो जाएगा। सरकार ने गुरुवार को कहा कि इस बारे में अभी फैसला नहीं किया गया है कि सभी बच्चों को या पहले से किसी अन्य बीमारी से पीड़ित बच्चों को प्राथमिकता के आधार पर टीके दिए जाएंगे। औषधि नियामक ने स्वदेश में विकसित जाइकोव-डी को शुक्रवार को आपात जरूरी मंजूरी दी थी और इसके साथ ही यह देश का पहला टीका बन गया जो 12-18 साल के किशोरों को दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर भाजपाइयों ने शोक सभा कर दी श्रदाँजलि

करछना। भाजपा मंडल भीरपुर की ओर से डीहा बाजार में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के निधन पर बृहस्पतिवार को एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुयी । जिसमें मौजूद भाजपाइयों की ओर से उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करके उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई । श्रद्धांजलि सभा में बतौर मुख्य रूप से उपस्थित रहे भाजपा यमुनापार के जिला उपाध्यक्ष व पूर्व जिला पंचायत सदस्य तथा राम मंदिर आंदोलन में 26 दिनों तक जेल की सलाखों में रहे त्रिवेणी प्रसाद पांडेय ने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के पुरोधा रहे इतिहास पुरुष अभूतपूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने सत्ता को ठोकर मार दी थी। उनका विराट व्यक्तित्व युगो युगो तक अमर रहेगा। प्रदेश की राजनीति में उन्होंने पार्टी को फर्श से अर्श पर पहुंचा दिया। कल्याण सिंह के पद चिन्हों पर चलकर उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लेना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता भीरपुर मंडल के अध्यक्ष अजय सिंह व संचालन मंडल महामंत्री आशीष पांडेय ने किया। इस मौके पर कमलेश सिंह शशि कांत पांडेय सूर्यकांत मिश्र नितेश मिश्रा आशीष पांडेय अजय सिंह विकास सिंह राहुल निषाद आदि भाजपाई लोग मौजूद रहे।

रोकडी गांव : जांच टीम को शौचालय निर्माण में गड़बड़ी की मिली खामियां

डीएम के निर्देश पर जिला जांच टीम रोकडी गांव में शौचालय निर्माण का स्थलीय किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

रोकडी गांव में शौचालय की जांच करती टीम

करछना। विकास खंड के ग्राम पंचायत रोकडी में शौचालय निर्माण कार्य में ब्यापक पैमाने हुए गडबडी की शिकायत पर जांच टीम ने गांव की खगाली हकीकत मौके पर नहीं बनें पायें गयें शौचालय ।

जानकारी के अनुसार गत दिनों तहसील संपूर्ण समाधान दिवस पर रोकडी गांव के मॉ सेवा संस्थान के अध्यक्ष विनायक पंडित ने डीएम संजय कुमार खत्री से शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके गांव में गरीब जनता के नाम से शौचालय स्वीकृत हुआ था लेकिन निर्माण नहीं हुआ है और पैसा आहरित कर लिया गया है । इसी क्रम में जिला अधिकारी संजय खत्री ने मामले को गंभीरता से लेते हुए । गुरुवार को परियोजना समन्वय पंचायत अनुभाग प्रयागराज से निर्भय गुप्ता के साथ एक जांच टीम रोकडी गांव में शौचालय भष्ट्राचार की जांच करने गांव जाकर निरीक्षण किया, जिसमें चौदह लोगों का शौचालय का निर्माण बना नहीं पाया गया जिसमें त्रियुगी नारायण, बेवोदेवी, विनोद कुमार, अनिता देवी,सुरेन्द्र कुमार, जगमोहन, दयाराम, अनंता देवी, ठाकुर दीन, राम लल्लू, लाल जी, बरसाती, एवं चंद्रमा का शौचालय नहीं बना मिला जब कि वर्षो पूर्व पैसा आहरित हो चुका है ।जांच दल के दौरान मॉ सेवा संस्थान रोकडी के अध्यक्ष विनायक पंडित ने बताया कि भष्ट्राचार में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ गरीबों का शौचालय का निर्माण कराया जाय।

दिनदहाड़े मोबाइल चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा गया शातिर चोर

जारी/ प्रयागराज। कौंधियारा थाना अंतर्गत जारी नहर पुलिया के पास एक दुकान से रंगे हाथों मोबाइल चोरी करते हुए एक शातिर चोर को पकड़कर स्थानीय पुलिस चौकी हवाले सौंप दिया गया दुकानदार सतीश कुमार मोदनवाल ने बताया कि काउंटर पर मोबाइल चार्जिंग के लिए लगा हुआ था और मैं बगल चाय पीने के लिए गया हुआ था उसी समय यह मोबाइल निकालकर नौ दो ग्यारह होकर चला गया और जब हम वहां पर आए तो मोबाइल नहीं थी बहुत इधर उधर ढूंढा गया लेकिन मोबाइल नहीं मिली फिर वही चोर दोबारा दुकान पर आया और नशा करने के लिए मैक्सो बांड मांगने लगा तो मेरी नजर इसके लोवर पर पड़ी इसके जेब में दो मोबाइल थी जिसमें से एक मोबाइल मेरी थी तो उसके जेब से मोबाइल लेकर उसे जारी पुलिस चौकी ले जाकर सौंप दिया जिससे पुलिस जांच पड़ताल कर रही है इसके पहले भी बाजार से कई मोबाइल चोरी हो चुके हैं चोरी करने वाला व्यक्ति का नाम आशीष पांडे पुत्र अशोक पांडे निवासी नारीबारी उम्र 24 वर्ष लगभग है । जारी चौकी पर पूछताछ के दरमियान आठ ,दस मोबाइल वह कबूल रहा है। जिसे कौंधियाराया थाने लेकर गई हुई है। चोरी की घटना आए दिन जारी बाजार में होती रहती है मोबाइल चोर सक्रिय हैं। आए दिन चोरियों की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

न्यूज झरोखा

प्रतापपुर में भाजपा गंगापार की बैठक का आयोजन

भाजयुमो जिलाध्यक्ष बनने पर नवीन सिंह पटेल को भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने बधाई दिया

प्रतापपुर। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा गंगापार का जिलाध्यक्ष बनने पर नवीन सिंह पटेल को प्रतापपुर मंडल सहित भाजपा गंगापार के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ ने बधाई दिया।भारतीय जनता पार्टी काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव, जिलाध्यक्ष गंगापार अश्वनी द्विवेदी, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा,चन्द्रजीत यादव, मंडल अध्यक्ष प्रतापपुर आशुतोष त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष वरुणा समरजीत मौर्या, संजय बनकटा, दिलीप यादव(प्रधान) अनिल मौर्या, सूर्या यादव संयोजक आईटी सेल प्रतापपुर, मनोज पाठक, महावीर मिश्रा, रुद्र प्रताप सिंह, प्रियांशू यादव, सुरेंद्र पटेल, अभयराज पटेल, दीपक केशरवानी, कमल मौर्या सहित अन्य भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ ने खुशी व्यक्त किया।

सहसों प्रतिनिधि के अनुसार भारतीय जनता पार्टी गंगापार के सहसों मंडल कार्यालय सहसों में गुरुवार को मंडल अध्यक्ष अनिल सरोज की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाई गई। जिसमें पार्टी के कार्यकर्ता मंडल के पदाधिकारी एवं जिले के पदाधिकारी तथा वरिष्ठ जनों ने मिलकर नवीन पटेल को गंगापार युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी एवं आपस में एक दूसरे का मुंह मीठा कराये। इस मौके पर उपस्थित पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा व अध्यक्ष भूमि विकास बैंक फूलपुर वीरेन्द्र बहादुर सिंह तथा ब्लॉक प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा नवीन पटेल की नियुक्ति एक समर्पित और पुराने कार्यकर्ता के रूप में है। इनको भारतीय जनता युवा मोर्चा गंगापार का जिला अध्यक्ष बनाए जाने से भाजपा को 2022 में विधानसभा के चुनाव में पार्टी को बहुत मजबूती के साथ बल मिलेगा और मिशन 2022 सफलता की ओर बढ़ेगा इनके नेतृत्व में कार्यकताओं की अच्छे कार्य से पार्टी और संगठन मजबूत होगी। इस अवसर पर बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष अमरनाथ तिवारी, अरुणेंद्र यादव डब्बू ब्लाक प्रमुख बहादुरपुर, जितेंद्र पटेल मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा बहादुरपुर, मंडल महामंत्री संजय सिंह व पवन कुमार शुक्ला, वरिष्ठ नेता चन्द्रेश केसरवानी, अनिल पटेल, दया सिंह, डब्लू शुक्ला, प्रधान विष्णू केसरवानी, रंजना सिंह परिहार, सत्यम त्रिपाठी उर्फ बी के, संतोष सिंह, राजेश सरोज सहित आदि कार्यकर्ता गंण हर्ष व्यक्त करते हुए उपस्थित रहे।

नदी में नाव से खनन पर लगी रोक हटाने को एकजुट हुए मजदूर

अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के बैनर तले गोष्ठी का आयोजन

अखंड भारत संदेश

गोष्ठी को सम्बोधित करते अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के नेता

लालापुर। क्षेत्र के नौढ़िया तरहार गांव में गुरुवार को कृषि के तीन कानून व यमुना नदी में नाव से खनन पर लगी रोक के विरोध में अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के बैनर तले गोष्ठी कर विरोध जताया। गोष्ठी में आए विभिन्न गांवों से किसानो मजदूरों ने नारे लगाए किसान मजदूर एकता जिंदाबाद,जब तक दुखी इंसान रहेगा धरती पर तूफान रहेगा,नाव पर लगी रोक 24जून2019 का आदेश रद करो,खेती के तीनों काले कानून रद करो,एमएसपी को कानून बनाओ।

फसल हमारी भाव तुम्हारा नहीं चलेगा,खेती किसानी में कम्पनी राज नहीं चलेगा,ठेका खेती नहीं चलेगी,किसान विरोधी कारपोरेट पक्षधर नीतियां नहीं चलेगी,मोदी तेरी तानाशाही नहीं चलेगी,हर जोर जुल्म के टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है, आंदोलनो पर दमन मुदार्बाद ,गिरफ्तार किसानो को रिहा करो,किसान नेताओ पर दर्ज फर्जी मुकदमे वापस लो, वक्ताओं ने कहा भाजपा आरएसएस की सरकार कृषि के तीन कानून लाकर खेती-खनन,बाजार मण्डी एव उत्पादन के साधन को बड़े कारपोरेट के हवाले करने जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 24जून2019का यमुना नदी में बोट से खनन पर रोक लगा दी,मशीनों से घाट काटकर सूखी बालू उठाने का पट्टा दिया हुआ है,नदी में माफिया फल फूल रहे है मजदूर भुखमरी के कगार पर रहे,बच्चे कुपोषण के शिकार हो रहे है। 5 सितंबर मुजफ्फर नगर किसान महापंचायत में पहुंचने की अपील की। गोष्ठी को कामरेड हीरालाल ए आइ के एम एस महासचिव उ०प्र०, सुरेश निषाद, रामूनिषाद, भीमलाल, सरदार, बैजनाथ, आकृति सागर,चंद्रावती आदि ने संबोधित किया। गोष्ठी की अध्यक्षता जितेंद्र सिंह व संचालन राजकुमार ने किया।

दिव्यांग महिला से दुष्कर्म की कोशिश

कार्रवाई नही होने पर एसएसपी से शिकायत

घूरपुर। इलाके के एक एक दृष्ट बाधित दिव्यांग महिला से एक युवक ने घर में घुस दुष्कर्म की कोशिश की चीख पुकार सुन आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी युवक धमकी देते भाग निकला। मामले में पुलिस ने कोई कार्रवाई नही की तो पीड़िता ने एसएससी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। इलाके के एक गांव में एक दृष्ट बाधित दिव्यांग महिला अपने दिव्यांग पति के साथ रहती है। आरोप है कि बीते 27 जुलाई की रात पड़ोस का एक युवक घर के अंदर घुस दुष्कर्म की कोशिश करने लगा चीख पुकार सुन पति समेत आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी धमकी देते भाग निकला। मामले में पुलिस को शिकायती पत्र देने पर भी कार्रवाई नही की पीड़िता ने एसएससी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे अल्ट्रासाउंड

केंद्रों पर धड़ल्ले से हो रहा है भ्रूणों का लिंग परीक्षण

अखण्ड भारत सन्देश

सिरसा/मेजा, प्रयागराज। विभिन्न संस्थानों द्वारा बेटी बचाओ मनाता बचाओ कार्यक्रम का आयोजन कर कर भ्रूण हत्या पर रोक लगाने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए कई कार्यक्रम होते आए हैं। मेजारोड बाजार में आधा दर्जन से अधिक अल्ट्रासाउंड केंद्र बिना रजिस्ट्रेशन के धड़ल्ले से चलाए जा रहे हैं। ऐसे अवैध अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर डॉक्टरों द्वारा और दलालों की मिलीभगत से भ्रूण की पहचान कर पन्द्रह से बिस हजार रुपया अवैध कमाई की जाती है। लिंग की पहचान भ्रूण हत्या को बढ़ावा देने में होती है ऐसे अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर देखने के लिए भ्रूण हत्या पाप है। लिंग परीक्षण का कार्य नहीं होता है जैसे बोर्ड पर नोटिस तो अधिकांश केंद्रों पर लगा दिया जाता है। लेकिन अंदर ही अंदर अधिकांश अल्ट्रासाउंड केंद्रों पर लिंग का परीक्षण किया जाता है जबकि ऐसे सेंटर के चिकित्सकों को पीसीपीएडीटी एक्ट के तहत कंपीटेंसी बेस्ट इवेल्यूएशन टेस्ट (सीवीईटी) से गुजरना होगा लेकिन परीक्षा दिए बिना अवैध अल्ट्रासाउंड का संचालन किया जा रहा है। अगर यह डॉक्टर परीक्षा पास नहीं कर पाते हैं तो उन्हें अल्ट्रासाउंड सेंटर बंद कर देना चाहिए। इस गोरख धंधे में कही न कही सरकारी महकमे के भी योगदान बना है ये तो जब संचालको के केंद्रों पर जांच किया जाएगा तो सच्चाई सामने स्वतः आ जायेगी।

मेजारोड बाजार में आधे दर्जन से अधिक अवैध अल्ट्रासाउंड संचालकों पर कोई कार्यवाही नहीं किया जा रहा है

वंदे मातरम् वाहिनी की प्रदेश संयोजक बनी आंचल ओझा

अखंड भारत संदेश

नैनी। सनातन धर्म को बढ़ावा देने के लिए स्थापित वंदे मातरम् वाहिनी के प्रमुख पंडित प्रदीप तिवारी ने स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में किसानों की शहादत की याद दिलाने वाली बेल्हा जमीं की बेटी उच्च न्यायालय इलाहाबाद की अधिवक्ता, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इलाहाबाद की पूर्व गवर्निंग काउन्सिल आंचल ओझा को प्रदेश संयोजक मनोनीत करते हुए आशा व्यक्त किया है कि आंचल ओझा के संगठन में कार्यभार ग्रहण करने से संगठन को मजबूती मिलेगी और प्रदेश में संगठन का विस्तार होगा। साथ ही सनातन धर्म को बढ़ावा देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभाएंगी। आंचल ओझा के प्रदेश संयोजक मनोनयन पर प्रयागराज सहित कई जिलों के अधिवक्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। वही आंचल ओझा ने अपने मनोनयन पर संगठन के प्रमुख के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी देते हुए आशा व्यक्त किया है उस पर शत प्रतिशत खरी उतरते हुए संगठन को आगे बढ़ाने व सनातन धर्म को बढ़ावा देने में पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा एवं लगन के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने में पीछे नहीं हटूंगी।

वीडियो कांफ्रेंसिग के जरिए जेल लोक अदालत का किया गया आयोजन

नैनी। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार गुरूवार को जेल लोक अदालत का आयोजन वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम से किया गया। जेल लोक अदालत में रेलवे मजिस्ट्रेट उत्सव गौरव राज द्वारा कुल तीन वादों को निस्तारित किया गया। उत्सव गौरव राज द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के दिशा निदेर्शानुसार समस्त विचाराधीन बंदियों को कोविड-19 से संबंधित जानकारी व मास्क की उपयोगिता के बारे में बताया गया। साथ ही यह भी बताया गया की कम सजा पाने वाले विचाराधीन बंदियों के वादों की सुनवाई कर उसका निस्तारण जेल लोक अदालत द्वारा कर वादों की संख्या कम करना ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य है।

किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

अखंड भारत संदेश

खाद्य एवं पोषण पर शुआट्स केवीके ने किया आयोजन

केवीके द्वारा आयोजन किसानों के लिए कार्यक्रम को सम्बोधित करतीं

प्रयागराज। कृषि विज्ञान केंद्र, शुआट्स, प्रयागराज ने आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर 80 किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसका विषय किसानों के लिए भोजन और पोषण था। यह कार्यक्रम ग्रामीण लोगों को स्वस्थ और संतुलित आहार के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए आयोजित किया गया था।

इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार को केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने संबोधित किया था, उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार कुपोषण की समस्याओं के प्रबंधन के लिए किसानों और बच्चों के कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और गुणवत्ता वाले खाद्य उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाता है। .

कार्यक्रम की समन्वयक श्रीमती निमिषा एस. नटराजन वैज्ञानिक गृह विज्ञान, ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। चार्ट की मदद से उन्होंने संतुलित आहार के महत्व को समझाया, जिसमें पोषक तत्वों की मात्रा भी शामिल है, जिसका सेवन व्यक्ति के दैनिक अनुसार किया जाना चाहिए, साथ ही साथ हम दैनिक आधार पर खपत कैलोरी की गणना कैसे कर सकते हैं, इस पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया। केवीके के वैज्ञानिक कृषि अभियांत्रिकी डॉ जीपीएम सिंह ने कुपोषण के संतुलित आहार के मुद्दों के महत्व पर जोर दिया और बताया कि केवीके लोगों को स्वस्थ और संतुलित आहार बनाए रखने के बारे में बताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रशिक्षण के अंत में डॉ. सुबोध यादव वैज्ञानिक पशुपालन ने प्रतिभागियों को दैनिक जीवन में दूध और दुग्ध उत्पादों के महत्व के बारे में बताया और बताया कि बच्चों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में कैसे मदद करता है। श्री एम. त्रिपाठी और श्री एस.पी. सिंह (सहायक) ने प्रतिभागियों को कोविड-19 के लिए स्क्रीनिंग करके और उन्हें आयोजन के लिए पंजीकृत करके कार्यक्रम की शुरूआत की।

खेल के क्षेत्र मे भी अपार संभावनायें महेंद्र प्रताप सिंह

घूरपुर। मानव जीवन मे पढ़ाई के साथ अन्य क्षेत्रों के माध्यम से भी स्वयं एवम राष्ट्र को गौरवान्वित किया जा सकता हैं। किन्तु प्रत्येक क्षेत्र मे शिक्षा परम आवश्यक हैं। आज खेल जगत के माध्यम से भी व्यक्ति आत्मनिर्भर होनें के साथ समाज एवम देश का नाम सम्पूर्ण विश्व के पटल पर ऊंचा कर सकता हैं मेजर ध्यानचंद्र, महेंद्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर समेत वर्तमान मे नीरज चोपड़ा इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इसलिए सभी अभिवावावकों का यह कर्तव्य एवम दायित्व बनता हैं कि पढ़ाई के साथ बच्चों को खेलकूद के क्षेत्र मे भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। उक्त बातें गौहनिया स्थित श्री राज नारायण सिंह पटेल स्कूल एंड कालेज के प्रबंधक महेंद्र प्रताप सिंह पटेल विद्यालय के प्रथम कार्य दिवस पर उपस्थित छात्र -छात्राओं सहित अभिभावको को बतौर मुख्य वक्ता के रूप मे सम्बोधित कर रहें थे। इस अवसर पर पटेल नें यह भी बोले कि स्वस्थ शरीर मे ही स्वस्थ मस्तिष्क का निर्माण होता हैं। और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योग, व्यायाम के साथ साथ खेल भी बहुत अधिक भूमिका निभाता हैं। विद्यालय के प्रबंधक महेंद्र प्रताप सिंह पटेल क्षेत्र मे समाज सेवा के साथ ही कालेज मे बच्चों की फीस माफ भी कर चुके हैं। जिसको लेकर इसी वर्ष मई माह मे क्षेत्र वासियों के द्वारा व्यापक पैमाने पर स्वागत भी किया गया था।

विधानसभा चुनाव में जीत का दिया गुरुमंत्र

प्रतापपुर। बूथ सत्यापन अभियान के तहत भाजपा प्रतापपुर विधानसभा कमेटी की बैठक गेस्ट हाउस करुआडीह में गंगापार जिलाध्यक्ष अश्वनी द्विवेदी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसे प्रदेश के संगठन मंत्री अनामिका चौधरी ने संबोधित किया तथा 2022 में विधानसभा चुनाव जीतने का गुरुमंत्र दिया।बैठक को संबोधित करते हुए अनामिका चौधरी ने भाजपा के आगामी कार्यक्रमो और संगठन से जुड़े कार्यो पर प्रकाश डालते हुए कहा भाजपा एक संस्कारी और सुसंगठित विचारों का बड़ा समूह है। काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन अमरनाथ यादव ने कहा कि मोदी सरकार ने आम जनमानस को बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध करा कर उनकी जिंदगी बदल दी है। नि:शुल्क गैस,आवास, शौचालय,सहित प्रदेश में आद्योगिक निवेश,योजनाओं का क्रियान्वयन,कानून व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण या गरीब किसानों का ऋण माफी हो सूबे में नई रफ्तार मिली है। बैठक का संचालन महामंत्री हरिभूषण सिंह ने किया। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष रामरक्षा द्विवेदी, श्यामविहारी पांडेय, सभाजीत मिश्रा, मुकुंद लाल मौर्या, दिलीप यादव, मनोज सिंह आचार्य, रमेश पांडेय, मंडल अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी, मनोज निषाद, बिन्दु सिंह, जीतलाल तिवारी, नवीन पटेल, संदीप तोगड़िया आदि उपस्थित रहे।

कोरांव में जनवादी जनक्रांति रथ यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

अखंड भारत संदेश

कोरांव में जनवादी जनक्रांति रथ यात्रा का स्वागत करते

रत्योरा,प्रयागराज। आगामी विधान सभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए समाजवादी पार्टी कई अन्य पार्टियों से गठबंधन कर विधानसभा चुनाव की रणनीति तैयार करने में जुट गई है। जिसके क्रम में जनवादी पार्टी द्वारा जनवादी जन क्रांति रथ यात्रा 16 अगस्त से पूरे प्रदेश में निकाली जा रही है। जनवादी क्रांति रथ यात्रा 26 अगस्त को कोरांव विधानसभा के रत्योरा बाजार में पहुंची जहां समाजवादी पार्टी व जनवादी पार्टी के कार्यकताओं के द्वारा यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। यात्रा के स्वागत व सम्मान समारोह में जनवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय सिंह चौहान मौजूद रहे। उन्होंने भाजपा हटाओ देश बचाओ का नारा दिया। कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश की जनता के साथ झूठे वादे कर केंद्र व प्रदेश में सरकारें तो बना ली किंतु अब जनता खुद अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रही है। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव में जनवादी व समाजवादी पार्टी के बैनर तले सरकार बनाने की अपील की। जनवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि यह यात्रा जन जागरण के लिए निकाली गई है जन जागरण के माध्यम से भाजपा सरकार के वादाखिलाफी के प्रति जनता को जागरूक किया जा रहा है। स्वागत समारोह में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष योगेश चंद्र यादव उपस्थित रहे और पार्टी कार्यकताओं को संबोधित कर 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की अपील की। इस दौरान उपस्थित लोगों में प्रमुख रूप से सपा जिला महासचिव संदीप पटेल, जनवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष रमाशंकर सिंह चौहान, विधानसभा अध्यक्ष सुरेश सिंह चौहान, जिला सचिव विजय बहादुर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष मनीष सिंह चौहान, मनोज सिंह, सपा नेता ललन सिंह पटेल, पूर्व विधायक रामकृपाल कोल, रामदेव निडर, सदस्य जिला पंचायत जिला सचिव समाजवादी पार्टी सोमदत्त सिंह पटेल, विधानसभा अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा, प्रदेश सचिव लोहिया वाहिनी सहादत अली, मेहताब खान, नसीम अहमद, रामवृक्ष यादव, फुर्सत खान, नितेश तिवारी, नौशाद अंसारी, पिन्टू खान लाल जी पाल निराला, मुन्ना सिंह, हरेराम सिंह, गुलफाम खान, माशूक अहमद, समेत भारी संख्या में समाजवादी पार्टी व जनवादी पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

मांडा पुलिस ने बुधराम को किया गिरफ्तार

मांडा, प्रयागराज। जिले की मांडा पुलिस द्वारा मु0अ0स0 279/2021से सम्बंधित वांछित अभियुक्त बुधराम को? गिरफ्तार किया गया।? पुलिस? उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज? सर्व?? श्रेष्ठ त्रिपाठी द्वारा अपराध एवं अपराधियो? के विरुद्ध चलाये गये अभियान के तहत पुलिस? अधिक्षक यमुनापार? सौरभ कुमार? दीक्षित के निदेश पर सीओ मेजा भीम कुमार के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक थाना माण्डा अवन कुमार दीक्षित के कुशल नेतृत्व मे गठित पुलिस द्वारा मु0अ0 स0 279/2021 से सम्बंधित वांछित अभियुक्त बुद्धिराम पुत्र रामकिशोर निवासी यादवपुर थाना माण्डा प्रयागराज उम लगभग 55 वर्ष को ?निरुक्षक रामकेवल यादव व उनके हमराह के द्वारा गिरपतार कर के नियमाअनुसार न्यायालय भेजा गया।

पत्नी को मुंबई लावारिश छोड़ अकेले भाग आया घर

अखंड भारत संदेश

बेवफा पति : पति के खिलाफ कई संगीन आरोप लगाते हुए महिला ने थाने में दी शिकायती पत्र

घूरपुर। इलाके का एक युवक बहाने से अपनी पत्नी को मुंबई ले गया और कुछ दिन साथ रहने के बाद उसे लावारिश हाल में अकेले छोड़ अपने घर वापस आ गया। कई दिन पत्नी उसका इंतजार करती रही। उसके बाद किसी तरह वह अपने मायके पहुंच परिजनों के साथ घूरपुर थाने पहुंच कई संगीन आरोप लगाते हुए पति के खिलाफ शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। इलाके के करमा की एक युवती की विवाह कौंधियारा थाना क्षेत्र के भमोखर गांव के एक युवक के साथ 2 मार्च वर्ष 2020 को हुई थी। युवती का आरोप है कि विवाह के सात माह बाद से पति ऊल जलूल आरोप लगा तंग करने लगा विरोध पर पिटाई करने लगा। इसे लेकर मायके पक्ष ने बिरादरी को एकत्रित कर पंचायत भी कराई लेकिन युवक का रवैया नहीं बदला। इस बीच एक माह पूर्व युवक अपने पत्नी को लेकर मुंबई चला गया। और कुछ दिन बाद अचानक युवक अपनी पत्नी को लावारिश हाल में छोड़ अपने घर वापस आ गया। कई दिनों के इंतजार के बाद युवती किसी तरह अपने मायके पहुंच परिजनों को दास्तां सुनाई तो परिजन दंग रह गए। गुरुवार के दिन युवती अपने परिजनों के साथ थाने पहुंच पति के उपर कई संगीन आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

खबर संक्षेप

ज्वाला देवी गंगापुरी में संस्कृत सप्ताह समापन कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

प्रयागराज। ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कालेज गंगापुरी रसूलाबाद में गुरुवार को संस्कृत सप्ताह समापन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि डा0 शालिग राम त्रिपाठी (सदस्य, उ0प्र0 माध्यमिक संस्कृत परिषद), अध्यक्ष डा0 आनन्द कुमार श्रीवास्तव (प्रबन्धक, ज्वाला देवी गंगापुरी) तथा विद्यालय के व्यवस्था प्रमुख संजीव चतुर्वेदी ने माँ सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीपार्चन एवं पुष्पार्पन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

अतिथि परिचय व कार्यक्रम प्रस्तावकी विद्यालय के आचार्य जनार्दन प्रसाद दूबे ने कराया। संयोजक आचार्य कनक सिंह के दिशा निर्देशन में दिनांक 24अगस्त 2021 से लेकर 26 अगस्त 2021 तक संस्कृत वंदना प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में प्रांजली राय, प्रीति पटेल, रिद्धिषा शर्मा, आरोही त्रिपाठी, अथर्व त्रिपाठी, अमन उपाध्याय, आदित्य उपाध्याय, उत्तम श्रीवास्तव, आदित्य सिंह , पलक कुशवाहा, सौम्या शुक्ला , तुषार दुबे आदि भैया बहनों को अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ0 शालिग राम त्रिपाठी ने संस्कृत सप्ताह के समापन अवसर पर अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन व वैज्ञानिक भाषा है। वास्तव में संस्कृत बोलना कठिन नहीं, बल्कि अत्यंत सरल है।

प्रधानमंत्री आवास योजना : कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने लाभार्थियों को सौंपी चाभी

अखंड भारत संदेश

100 से अधिक लाभार्थियों को सौंपी आवास की चाभी

प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को चाभी सौंपते कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र से विधायक नंद गोपाल गुप्ता नंदी और प्रयागराज की महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी ने आज प्रयागराज सर्किट हाउस सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 100 से अधिक लाभार्थियों को उनके आवास की चाभी सौंपी। अपना आशियाना बनाने का सपना पूरे होने की खुशी लोगों के आंखों में स्पष्ट झलक रही थी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रयागराज में 14,000 लाभार्थियों के आवास की स्वीकृति हुई है, जिसके सापेक्ष 9,179 लाभार्थियों के आवास पूर्ण हो चुके हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के लाभाथीर्यों को चाभी सौंपते हुए मंत्री नंदी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में जब से इस देश की बागडोर संभाली है, तब से आज तक उनकी नीतियों और नेतृत्व के केंद्र में गांव, गरीब, किसान, महिलाएं और युवा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक देशवासी के सर पर पक्की छत हो, इसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना है। मंत्री नंदी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्धन, गरीब और जरुरत मंद लोगों को पक्के मकान उपलब्ध कराने में उत्तर प्रदेश पूरे देश में अव्वल है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के यशस्वी नेतृत्व में समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के जीवन में बदलाव आया है। आज वह आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त हुआ है। अभी दो दिन पहले ही मुख्यमंत्री ने 20 लाख परिवारों को उज्ज्वला योजना के माध्यम से मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन से जोड़ा है। हमारी सरकार प्रदेश के चहुमुखी विकास के लिए सतत समर्पित है।महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नंदी ने मिशन शक्ति के तहत 18 महिला लाभार्थियों को आवास की चाभी सौंपी। महापौर ने आवास पाने वाले लाभार्थियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नगर आयुक्त रवि रंजन, पीओ डूडा वर्तिका सिंह, मंडल अध्यक्ष दिलीप केसरवानी, नामित पार्षद अनूप मिश्रा आदि मौजूद रहे।

मंत्री नंदगोपाल नंदी व मेयर अभिलाषा पर चलेगा मुकदमा

फायरिंग मारपीट का आरोप तय, मेयर अभिलाषा पर आचार संहिता के उल्लंघन का केस

प्रयागराजञ उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी मुश्किल में घिरते दिख रहे हैं। 2014 में सपा उम्मीदवार कुंवर रेवती रमण की सभा में शामिल होने जा रहे कार्यकताओं पर फायरिंग करवाने के मामले में प्रयागराज की एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में उन पर आरोप तय हो गए हैं। आरोप है कि गुप्ता ने उस समय सपा कार्यकताओं से मारपीट की थी और हवाई फायर भी करवाए थे। इसके अलावा 2012 के नगरीय निकाय चुनाव में आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में भी नंदी व उनकी मेयर पत्नी अभिलाषा गुप्ता पर आरोप तय हो गए हैं। पहला मामला साल 2014 में हुए लोकसभा चुनाव का है। नंद गोपाल गुप्ता नंदी उस वक्त इलाहाबाद संसदीय सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ रहे थे। नंदी और उनके समर्थकों के खिलाफ उस समय मारपीट और फायरिंग के आरोप में केस दर्ज हुआ था। नंदगोपाल के अलावा उनके रिश्तेदार कमल उर्फ लाला, तत्कालीन पार्षद नीरज गुप्ता और तत्कालीन पार्षद निजामुद्दीन पर भी इसी मामले में आरोप तय हुए हैं। स्पेशल एमपी एमएलए कोर्ट के जज आलोक कुमार श्रीवास्तव ने मामले की सुनवाई की। ऐसे ही साल 2012 में नंदी की पत्नी अभिलाषा गुप्ता साल 2012 के चुनाव में प्रयागराज की मेयर चुनी गई थी। उस दौरान नंदी व उनकी पत्नी पर आचार संहिंता के उल्लंघन का केस दर्ज हुआ था। इलाहाबाद दक्षिण से विधायक और प्रदेश सरकार में उड्डयन मंत्री नंद गोपाल नन्दी इससे पहले बीएसपी में थे। 2012 के विधानसभा चुनाव में वह सपा उम्मीदवार से हार गए थे। 2017 में बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़कर वह मौजूदा सरकार में मंत्री बने हैं। उनकी पत्नी अभिलाषा गुप्ता प्रयागराज की मेयर हैं।

नगरवार गोलीकांड : दो आरोपी और चढ़े पुलिस के हत्थे

अखंड भारत संदेश

हत्या मे नामजद छः आरोपियों मे से चार गिरफ़्तार जबकि अभी भी दो पुलिस की गिरफ़्त से बाहर

लालापुर। जनपद के यमुनापार क्षेत्र के लालापुर थाना अंतर्गत नगरवार गांव मे बीते शनिवार को खेत मे पानी ले जाने को लेकर गांव के ही सुदामा पाल के परिवार व अशोक पाठक के परिवार के बीच विवाद हो गया। सुदामा पाल की तरफ से कई लोग चोटिल हो गए जिनका बचाव करने के लिए गांव के वर्तमान प्रधान मुकेश तिवारी अपनी लायसेंसी बंदूक के साथ मौके पर पहुँच गए। दोनो पक्षों मे विवाद इतना बढ़ गया कि पाठक परिवार ने मुकेश तिवारी से उनकी लायसेंसी बंदूक छीनकर कल्लू तिवारी नामक युवक पर गोली चला दी जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर नामजद छः लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और कुछ ही घंटो के अन्दर हत्या मे शामिल नामजद आरोपी अरुण कुमार पाठक पुत्र स्व. राम विशाल पाठक व अनिल कुमार पाठक पुत्र राम गणेश पाठक को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया था। जबकि चार आरोपी फरार चल रहे थे। उक्त विवाद का सोशल मीडिया मे एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमे पाठक परिवार के लोग खुलेआम पिस्टल, बंदूक, कुल्हाड़ी, हँसुआ, लाठी आदि शस्त्र लेकर विपक्षी को बुरी तरह से मार पीट रहे हैं, लेकिन वीडियो सोशल मीडिया मे वायरल होने के बाद भी लालापुर पुलिस की नींद नहीं खुली। नगरवार वर्तमान ग्राम प्रधान मुकेश तिवारी ने बताया कि फरार चल रहे हत्यारोपियों के द्वारा मुझे भी लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है, पुलिस को सूचित करने के बाद भी हत्यारोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। लोगों का कहना है कि लालापुर के नए थाना प्रभारी मनीष त्रिपाठी ने जब से चार्ज संभाला है क्षेत्र मे अपराध थमने का नाम नहीं ले रहा है लगातार एक के बाद एक घटनाओं को बेखौफ अपराधी अंजाम दे रहे हैं, और थाना प्रभारी अभी भी सोये हुए हैं। बता दें कि नगरवार गोलीकांड मे गुरुवार को प्रकाश पाठक उर्फ तरुण पाठक पुत्र दिलीप पाठक व प्रशांत पाठक पुत्र दिलीप पाठक निवासी नगरवार थाना लालापुर को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया गया है जबकि दो आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं। बातचीत मे थाना प्रभारी ने बताया कि नामजद छः आरोपियों मे से चार की गिरफ़्तारी हो चुकी है तथा दो आरोपी फरार चल रहे हैं, उनको भी जल्द ही गिरफ़्तार कर जेल भेजा जायेगा। जेल लोक अदालत में तीन मामलों को किया गया।

कपिल मुनि करवरिया की मांग खारिज, कहा धांधली के दौरान आप सांसद नहीं

प्रयागराज। कौशांबी में लिपिक भर्ती में हुई धांधली के एक मामले को एमपी एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित करने की पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया की मांग को वाराणसी के विशेष न्यायाधीश पुष्कर उपाध्याय की अदालत ने खारिज कर दिया है। धांधली के आरोपी के पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दाखिल किया था कि यह के एमपी एमएलए इलाहाबाद स्पेशल कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया जाए। मगर, कोर्ट ने यह कहकर खारिज कर दिया कि भ्रष्टाचार की घटना के दौरान आप सांसद नहीं थे। अब धांधली के इस मामले की सुनवाई 7 सितंबर से होनी है। अन्य 3 आरोपियों को हाजिर होने के लिए कोर्ट ने एक जमानती वारंट भी जारी किया गया है। वर्ष 2009 से 2014 तक सांसद रहे कपिल मुनि करवरिया हत्या के एक मामले में नैनी सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। पूर्व सांसद कपिल मुनि करवरिया शासन की अनुमति के बगैर की गईं लिपिक पदों की नियुक्तियां अभियोजन पक्ष के अनुसार वर्ष 2004-05 में कपिल मुनि करवरिया कौशांबी जिला पंचायत और चयन समिति के अध्यक्ष थे। उस दौरान शासन की अनुमति के बगैर ही लिपिक पद पर नियुक्तियां की गई थी। यही नहीं 8 पद के सापेक्ष 14 नियुक्तियां कर दी गईं। पद का दुरुपयोग करते हुए धांधली का मामला सामने आने पर शासन ने एक उच्चस्तरीय जांच कराई तो रिपोर्ट में पूर्व सांसद समेत चयन समिति की सदस्य सुशीला देवी, मधुपति और श्रीपाल के नाम सामने आए। उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान द्वारा की गई इस जांच की रिपोर्ट के आधार पर सभी के खिलाफ मंझनपुर (कौशांबी) के तत्कालीन थाना प्रभारी ने 14 नवंबर 2019 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया।

साढ़े तीन लाख शिक्षण कार्य में लगे लोग सरकार की नीतियों से बेहाल हैं : लाल बिहारी

अखंड भारत संदेस

बैठक में विधायक लाल बिहारी यादव व वित्त विहीन शिक्षक गण

करछना। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ वित्त विहीन गुट प्रयागराज की बैठक चंद्रशेखर आजाद पार्क में जिलाध्यक्ष ननकेश बाबू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में संघ में प्रान्तीय अध्यक्ष/शिक्षक विधायक मा. लाल बिहारी यादव मौजूद रहे, जिनका पुष्प के द्वारा माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए श्री यादव ने कहा की आज प्रदेश भर में बीस हजार से भी अधिक माध्यमिक वित्तविहीन विद्यालयों के साढ़े तीन लाख से अधिक शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी वर्तमान सरकार की गलत नीतियों के कारण बिल्कुल बेहाल हैं, उनकी स्थिति मनरेगा के श्रमिकों से भी बदतर है। खेद है कि विधान परिषद में बजट तथा अनुपूरक सत्र में शिक्षकों की आवाज मैने जोरदार तरीके से उठाया परन्तु माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने उत्तर सही न देकर आयुष्मान कार्ड के मकड़जाल जैसे मुद्दों में फंसाकर उनके मूल सवाल को टाल दिया। जबकि आज बेसहारा शिक्षक, प्रबन्धक से अपना पारिश्रमिक न पाकर सरकार से भी बिल्कुल उपेक्षा का शिकार हुआ है। श्री यादव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय संरक्षक श्री मुलायम सिंह यादव की तारीफ करते हुए कहा कि नेता जी ने अपने कार्यकाल में प्रदेश भर के चौदह सौ जूनियर हाईस्कूलों को अनुदानित किया था तथा पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दो सौ करोड़ माध्यमिक वित्तविहीन विद्यालयों को मानदेय के रूप में दिया था जिसे मौजूदा सरकार ने छीन लिया। जिलाध्यक्ष ननकेश बाबू ने शिक्षकों से अपील करते हुए कहा कि प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आगामी 4 सितंबर 2021 को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर धरना देकर शिक्षको से संबंधित मांगों का ज्ञापन दिया जायेगा। सरकार को आगाह करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि अब वह दिन दूर नहीं है की शिक्षक वर्तमान सरकार के काले कारनामों के विरोध में विगुल फूंककर सड़क पर उतरेगा तथा आगामी विधानसभा चुनाव 2022 में अपनी ताकत का पूर्ण एहसास कराएगा।

बैठक में मण्डल अध्यक्ष अभयराज सिंह, सीताशरण सिंह, बालेंदु गौतम, फूलचंद कन्नौजिया, गोविन्द प्रसाद भूर्तिया, भुवाई लाल यादव, सी. पी. मिश्रा, महेंद्र द्विवेदी, इंद्र बहादुर कुशवाहा, श्री निवास यादव, अर्जुन यादव राष्ट्रीय सचिव समाजवादी शिक्षक सभा, बुधराम यादव, मो हबीब, रविकरण सिंह, सी बी यादव, जे पी यादव, जनकराज पाल,प्रेमचन्द, रामजी, कमल चन्द, रेवती रमण, चंद्रकांत मिश्रा, सोनकरन पटेल, अमरचंद गुप्ता, शिवमोहन सिंह, अमरबहादुर , अरविन्द, रामहित, अजीत कुमार सहित सैकड़ों शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाध्यक्ष ने किया सीएससी सेंटर पर ई-श्रम योजना का शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

अब असंगठित श्रमिकों के बनेंगे यूनिक आईडी कार्ड,सीएससी केन्द्रों के माध्यम से होगा निशुल्क पंजीकरण

जिलाध्यक्ष ने किया सीएससी सेंटर पर ई-श्रम योजना का शुभारम्भ

शंकरगढ़ प्रयागराज। सीएससी केन्द्रों के माध्यम से अब देशभर के सभी असंगठित श्रमिकों के यूनिक आईडी ई-श्रम कार्ड सीएससी पोर्टल से बनाए जाएंगे। 26 अगस्त से सभी सीएससी केंद्रों पर यह लाइव हो गई।

पंचबन्धु कॉमन सर्विस सेंटर पर बीजेपी जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारतीय द्वारा फीता काट कर इस सेवा को असंगठित मजदूरों, किसानों, बेरोजगारों, छोटे व्यापारियों का ई-श्रम कार्ड जिलाध्यक्ष के हाथों वितरण किया गया। आपको बता दें कि भारत सरकार व श्रम मंत्रालय के अनुसार देशभर में 43.7 करोड़ असंगठित वर्कर विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। अब इनके कार्य की प्रकृति के अनुसार वर्ग विभाजन कर डाटा तैयार किया जा रहा है, ताकि इनके उत्थान के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं बनाकर उन्हें क्रियान्वित किया जा सके। जिले की बात करें तो इस समय हर जनपदों में हजारों असंगठित श्रमिक हैं, जिनको पंजीकृत सीएससी केन्द्रों के मध्यम से किया जायेगा और सभी पंजीकरण निःशुल्क होगा। ?पंजीकरण के उपरान्त मिलने वाले लाभ निम्नांकित हैं। यूनिक आईडी कार्ड बनते ही इन असंगठित श्रमिकों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ मिल जाएगा। इसका एक साल का खर्च भी खुद सरकार ही वहन करेगी। असंगठित श्रमिक किस वर्ग से है, कि डाटा तैयार करने के बाद सामाजिक सुरक्षा योजनाएं जो कि श्रम मंत्रालय और भारत सरकार ने चलाई हैं। उन्हें आसानी से क्रियान्वित कर इनके लिए बजट का प्रावधान किया जा सकेगा। श्रमिकों की गतिविधियों और वह किस राज्य से किस राज्य में जा रहे हैं, को आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा, जिससे आपदा के समय इन असंगठित श्रमिकों तक आसानी से मदद पहुंचाई जा सकेगी। जैसे कोरोना काल में इन्हें सरकार की योजनाओं को घर घर तक पहुंचाना, खाने की व्यवस्था करना इत्यादि। रोजगार के अवसर भी इनके लिए इनके वर्ग के हिसाब से सरकार सृजित कर सकेगी, साथ ही यदि कहीं किसी विशेष वर्ग के मजदूरों की जरूरत होगी तो इसी यूनिक आईडी के माध्यम से इन लोगों को सूचित भी किया जा सकेगा। आवेदक की उम्र 16 से 59 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक का पीएफ और ईएसआई खाता नहीं होना चाहिए और ना आयकर का भुगतान करता हो।

आवेदक किसी भी संगठित समूह या संस्था का सदस्य नहीं होना चाहिए। आवेदक आयकर दाता नहीं होना चाहिए। आवेदन के लिए क्या होना चाहिए आवेदक के पास आधार कार्ड नंबर होना चाहिए, बैंक का खाता और मोबाइल फोन नंबर यह आवेदन के लिए अनिवार्य हैं। कौन - कौन करवा सकते हैं पंजीकरण छोटे किसान, कृषि क्षेत्र में लगे मजदूर, पशुपालक, मछली विक्रेता, मोची, ईंट भट्ठों पर काम करने वाले, घरों में काम करने वाले, रेहड़ी-फड़ी वाले, न्यूजपेपर वेंडर, कारपेंटर, प्लंबर, रिक्शा व ऑटो रिक्शा संचालक, मनरेगा वर्कर, दूध विक्रेता, स्थानांतरित लेबर, नाई, आशा वर्कर, चाय विक्रेता व ऐसे मजदूर जोकि किसी संगठन के साथ नहीं जुड़े सभी यूनिक आईडी बनवा सकते हैं। जिले के सभी सीएससी केन्द्रों पर ये सुविधा उपलब्ध है। और सभी असंगठित श्रमिकों का निशुल्क पंजीकरण कर कार्ड दिया जायेगा। सीएससी जिलाप्रबंधक चंदन तुलस्यान, आशीष तिवारी ने योजना के बारे में विस्तृत बताया, इस कार्यक्रम के मुख्यअतिथि जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने सभी श्रमिको से पंजीकरण कराने का निवेदन किया।इस अवसर पर जिलाउपाध्यक्ष संतोष कुमार त्रिपाठी, जिलामंत्री शिवराम सिंह परिहार,जिला कोषाध्यक्ष अनूप केसरवानी, पिछड़ा मोर्चा महामंत्री मसुरियादीन वर्मा,मंडल उपाध्यक्ष सोमनाथ वर्मा,मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह पटेल, अनुपम सिंह पटेल, सीएससी केन्द्र प्रबंधक संदीप सिंह, स्वर्णा जन सेवा केन्द्र सीएससी सेन्टर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ के केंद्र प्रबन्धक मनोज केसरवानी, विएलई रत्नाकर सिंह, रवि सिंह, मोहन सिंह, किंगराज विश्वकर्मा, अखिलेश सिंह, राहुल सिंह, संतलाल पाल के साथ सैकड़ों किसान, असंगठित क्षेत्र के मजदूर आदि उपस्थित रहे।

महिला सिपाही ने मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराया बयान

अखंड भारत संदेश

कहां इस मामले में नहीं चाहती कोई कार्रवाई

प्रयागराज। दुष्कर्म पीड़िता सिपाही ने गुरुवार को मजिस्ट्रेट के सामने कलमबंद बयान दर्ज कराया। उसने आरोपी के पक्ष में बयान दिया और कहा कि वह इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं चाहती है। पीड़िता का बयान दर्ज होने के बाद पुलिस मामले में फाइनल रिपोर्ट लगाने की कार्रवाई शुरू करेगी।

बता दें कि पासपोर्ट सेल में तैनात महिला सिपाही ने कुछ दिन पहले एसएसपी के फोटोग्राफी सेल में तैनात सिपाही पंकज यादव के खिलाफ कर्नलगंज थाने में दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसका आरोप था कि पंकज ने उससे दोस्ती की और घर आने जाने लगा। एक दिन पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर पर पंकज ने नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।वीडियो भी बनाया। उसने शादी का वादा किया तो वह चुप रह गई। बाद में पंकज शादी के वादे से मुकर गया। महिला सिपाही ने काफी प्रयास किया, लेकिन पंकज नहीं माना तो उसने कर्नलगंज थाने में दुष्कर्म समेत कई धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद पंकज फरार हो गया। पुलिस उसके पैत्रिक घर गाजीपुर भी गई लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला था। मामले में उस समय नया मोड़ आ गया जब बुधवार को दिन में महिला सिपाही और पंकज की शादी के फोटो वायरल हुई। पता चला कि दोनों ने चौक स्थित आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली। महिला सिपाही और पंकज ने अभी कोई बयान नहीं दिया है।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का झंझट,नहीं लग पा रही कोरोना वैक्सीन

मो. समीम

अनपढ़ एवं गरीब हो रहे परेशान-लम्बी कतार से उमस में महिलाओं पुरुषो को आ रहा चक्कर, गिर गिर पड़ रहे लोग

पसना-प्रयागराज। भारत सरकार के सौजन्य से हो रहे मुफ्त कोविड टीकाकरण कार्यक्रम में ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन के कारण हजारों लोग टीकाकरण के लाभ से वंचित हो रहे हैं। ज्ञातव्य है कि पूर्व में 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का टीकाकरण स्वास्थ केंद्र पर ही तुरन्त रजिस्ट्रेशन के माध्यम से हो जाता था,लेकिन जब से 18से44 आयुवर्ग के लोगों का टीकाकरण आरम्भ हुआ तब से पूर्व रजिस्ट्रेशन व समय निर्धारण के बिना वैक्सीन लगना सम्भव नहीं है। जिन घरों में स्मार्टफोन चलाने वाले सदस्य हैं वह तो किसी तरह कोविड पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर ले रहा है लेकिन गरीब व अनपढ़ जनता जिनके पास सही सलामत स्थिति में छोटा मोबाईल फोन भी नहीं है वे लोग रजिस्ट्रेशन के लिये आस पड़ोस के लोंगो पर निर्भर है।पोर्टल पर किसी तरह रजिस्ट्रेशन हो भी जाता है तो टाईम स्लॉट मिलना बहुत मुश्किल है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य छोटेलाल कोल का कहना है कि कोल बिरादरी के अधिकांश लोगों का रजिस्ट्रेशन के अभाव में टीकाकरण नहीं हो पाया है,सरकार को चाहिए कि रजिस्ट्रेशन की अनिवार्यता को समाप्त कर सभी का टीकाकरण करवाये। बभनपट्टी गांव की राजकली कोल ने बताया कि बिना रजिस्ट्रेशन मेजा स्वास्थ्य केंद्र से हमें टीका न लगा कर वापस कर दिया गया। समाजसेवी व पत्रकार डॉ शमीम ने बताया कि क्षेत्र के कई लोग रजिस्ट्रेशन हेतु मेरे पास आते है जिनका रजिस्ट्रेशन अपने स्मार्टफोन के जरिये कर देता हूं लेकिन टाईम स्लॉट तुरन्त मिल नहीं पाता, जिससे टीकाकरण नहीं हो पाता। सींकी कला के क्षेत्र पंचायत सदस्य आफताब अहमद का कहना है कि सरकार को गांवो में अधिक से अधिक कैम्प लगाकर बिना रजिस्ट्रेशन टीकाकरण की व्यवस्था करनी चाहिए,जिससे कोविड कीआने वाली सम्भावित तीसरी लहर को रोक जा सके।

खस्ताहाल सड़क पर आवागमन हुआ दूभर

फूलपुर। गड्ढा मुक्त सड़क का ब्लूप्रिंट सरकार ने भले ही तैयार कर रखा हो पर सरकारी नुमाइंदों की लापरवाही से धरातल पर कुछ और ही नजर आ रहा है। प्रयागराज - गोरखपुर राजमार्ग 7 के किलोमीटर 29 पर स्थित बीरकाजी गांव से होते हुए महुलिया में फूलपुर-हनुमानगंज सड़क को जोड़ने वाले 3.6 किलोमीटर संपर्क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। आए दिन उखड़ी गिट्टियों पर साइकिल व बाइक सवार का गिरकर घायल होना आम बात हो गई है। वैसे तो इसी संपर्क मार्ग से भरौटी, सराय माद, अजेहरा के ग्रामीणों का प्रमुख मार्ग है ही लेकिन सबसे बड़ी मुसीबत पांच हजार आबादी वाले बीरकाजी गांव के ग्रामीणों की है जिनके निकलने का मुख्यमार्ग भी यही है। गांव के समाजसेवी असफाक अहमद, दीनानाथ यादव, बृजलाल, अजेहरा के शिवकुमार, भरौटी के सलीम टाइगर आदि ने बताया कि फूलपुर रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के समय सारा भार इसी संपर्क मार्ग पर था। सभी को उम्मीद थी कि फ्लाईओवर बनने के बाद संपर्क मार्ग भी बनेगा। पर जिमेदारों की लापरवाही का आलम ये है कि दर्जनों बार समाधान दिवस, पीडब्लूडी के एक्सईएन, जिलाधिकारी तक गुहार लगाई गई पर किसी ने ध्यान नही दिया। ग्रामीण मुख्यमंत्री के पोर्टल पर भी ऑनलाइन शिकायत की है।

प्रयागराज में पकड़ा गया फर्जी डिप्टी कमिश्नर इनकम टैक्स

एक दर्जन लोगों से वसूल चुका है कई लाख रुपए

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। सिटी के कर्नलगंज थानाक्षेत्र में अपने को डिप्टी कमिश्नर इनकम टैक्स बताकर लोगों पर रौब झाड़ने वाला ठग गिरफ्तार किया गया है। वह कटरा के एक व्यापारी समेत अब तक एक दर्जन से अधिक लोगों को कई लाख रुपये का चूना लगाया है। गुरुवार को उसकी ठगी का शिकार हुए व्यापारी की शिकायत पर उसे कटरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ व्यापारी ने कर्नलगंज कोतवाली विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट लिखाई है। दीपक गुप्ता उर्फ गौरव गुप्ता पुत्र ओम निवास गुप्ता पुराना मंफोर्डगंज में रहते हैं। उनकी पुराना कटरा में राम लक्ष्मी कांप्लेक्स में अपना परिधान नाम से दुकान है। 11 जून 2021 को संतोष कुमार गुप्ता ने दीपक से अभिषेक कुमार सिंह का परिचय कराया। अभिषेक कुमार सिंह ने अपने आप को डिप्टी कमिश्नर इनकम टैक्स बताया। यह भी कहा कि उनकी पोस्टिंग गाजियाबाद में है। इसके बाद वह अक्सर दुकान पर आने-जाने लगा। वह डिप्टी कमिश्नर इनकम टैक्स के हिसाब से हवा-पानी बनाने की कोशिश करता था।आपको बताते चलें कि फर्जी इनकम टैक्स कमिश्नर ने कुछ मुलाकातों के बाद उसने कहा कि अब उसकी पोस्टिंग कानपुर हो गई है और अभी कोविड के कारण वह प्रयागराज में ही इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में तैनात है। वह अक्सर गौरव से बातें किया करता कि शहर के कुछ बड़े व्यापारियों के यहां इनकम टैक्स डिपार्टमेंट छापा मारने वाला है। लिस्ट तैयार हो गई है। हम आपका विशेष ध्यान रखते हैं। यही सब कहकर वह दीपक पर रौब गांठने का प्रयास करता था।

9 जुलाई 2021 को की थी पहली ठगी

पुलिस को दी गई तहरीर में दीपक ने बताया कि 9 जुलाई 2021 को अभिषेक कुमार सिंह दुकान पर आया। इसके बाद उसने बताया कि उसकी कार चोरी हो गई है। उसी कार में क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड भी चला गया। कहा कि उसे कुछ कपड़ों की अर्जेंट जरूरत है, लेकिन उनके पास पैसे नहीं है। विश्वास करके दीपक ने उसे करीब ?8000 रुपये के कपड़े दिए। 19 जुलाई 2021 को वह फिर दुकान पर आया और अपनी बहन को रक्षाबंधन पर देने के लिए ?4000 का शूट लिया। कहा कि वो जल्दी ही रुपया दे देंगे। दीपक ने भी उसके झांसे में आकर सामान दे दिया और पैसे नहीं लिए। उसी दिन अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि उसकी बहन की शादी है और उसे रेमंड का सूट लेंथ चाहिए। उसके आर्डर के लिहाज से करीब 1.50 लाख रुपये का शूट लेंथ दीपक ने आर्डर दे दिया। होलसेल कंपनी को उसने एडवांस पैसे भी दे दिए। इसके बाद अभिषेक की कुछ बातें और व्यवहार उसे खटकने लगीं। इसकें बाद धीरे-धीरे अभिषेक की कुछ हरकतों के कारण उसे शक होने लगा।

रेलवे साइडिंग पर ट्रक ड्राइवर की पिटाई, सरकारी गेंहू रोका

जाम खुलवाने पहुंची भंगवा चौकी पुलिस और ग्रामीणों के बीच विवाद

ट्रक के धक्के से होमगार्ड की बाइक टकराने पर हुआ विवाद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रेलवे साइडिंग पर रेता लोडकर जा रही ट्रक के धक्के से होमगार्ड्स की बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। इससे गुस्साए लोगों ने ट्रक चालक की पिटाई कर दी और साइडिंग पर जाम लगा दिया। लोगों के हमले से ड्राइवर जान बचाकर भाग गया। जाम में सरकारी गेंहू के ट्रक फंस गये। जाम खुलवाने पहुँची भंगवा चौकी पुलिस से ग्रामीणों का विवाद हो गया। इंचार्ज ने जब जेल भेजने की बात कही तो लोग खिसकने लगे। करीब घंटे भर लोग जाम में फंसे रहे। पुलिस ने कहा कि जिन लोगों ने जाम लगाकर सरकारी काम में बाधा उत्पन्न किया मारपीट की है। लिखित शिकायत मिलने पर उन सभी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जायेगी। हंगामा कर रहे और पुलिस से विवाद करने वालों से सख्ती से निपटा जायेगा।

जानकारी के अनुसार रेलवे साइडिंग पर सरकारी गेहूं का रैक आया था। ट्रकों में लोड हो रहा था। इसी बीच रेता लोड ट्रक साइडिंग की तरफ जा रहा था। बैक करते समय पीछे खड़े आशुतोष होमगार्ड की बाइक ट्रक की चपेट में आ गई। बताया जाता है कि आशुतोष बच गया। लेकिन बाइक टूट गई। सड़क न बनने से खार खाये भंगवा के लोगों को जब यह बात पता चली तो काफी संख्या में पहुंचे लोगों ने जाम लगा दिया। आरोप है कि ट्रक ड्राइवर अजय को लोगों ने पीटा वह जान बचाकर भाग गया। सूचना मिलने पर भंगवा चौकी इंचार्ज जाम खुलवाने गये तो उनसे भी लोग उलझ गये। ग्रामीणों के बीच नेतागिरी का शौक पाले एक व्यक्ति को इंचार्ज ने बातचीत के दौरान जमकर लताड़ा। बातों से सरेआम ऐसा धोया कि वह मुंह छिपाकर भागने लगा। इंचार्ज ने उससे पूछा कि क्या ऐसी ही भाषा में अपने माता,पिता से भी बात करते हो। नेता बोला हां। दरोगा बोला जाओ पहले संस्कार सीखकर आओ। दरोगा ने सख्ती दिखाई तब जाकर जाम खुला। उसने बिना अनुमति सड़क जाम करने, मारपीट करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की बात कही है। हालांकि यह सब होने के बाद आरपीएफ और जीआरपी पहुंची। इन लोगों ने भी जाम लगाने वालों का फटकारा।मौके पर पहुंचे ट्रक मालिक अभिनव यादव निवासी सदर बाजार ने पुलिस के सामने आरोप लगाया कि उसके ड्राइवर अजय को ग्रामीणों ने मारा है। उसको गंभीर चोटें आई है। अस्पताल में भर्ती है। बताया जाता है कि होमगार्ड और ट्रक मालिक दोनो को चौकी पर बुलाया गया है। आरपीएफ और जीआरपी का कहना है कि घटना कोतवाली क्षेत्र की है। जो कुछ कार्यवाई होगी। वहां की पुलिस करेगी। फिलहाल साइडिंग की सड़क खराब होने से लोगों को काफी दिक्कतें है। बरसात में कीचड़, गड्ढे होने ट्रकों का जाम लगने से लोगों का चलना दूभर हो गया है।

राजेश बने प्रतापगढ़ के टीआई, जेपी हो सकते है नये अधीक्षक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ रेलवे जंक्शन का परिचालन महकमे में बड़ी फेर बदल हुई है। यहां के यातायात निरीक्षक (टीआई) जेपी शुक्ला हो हटाकर गौरीगंज के स्टेशन अधीक्षक राजेश कुमार को उनकी जगह प्रतापगढ़ का नया टीआई बनाया गया है। इस आशय का पत्र मंडलीय कार्यालय लखनऊ से बुधवार को जारी हो गया है। विवाद में उलझी प्रतापगढ़ स्टेशन अधीक्षक की कुर्सी पर जेपी शुक्ला की तैनाती हो सकती है। गौरीगंज के एसएस भी बनाये जा सकते हैं। इसकी जोरों से चर्चा है। सूत्रों के अनुसार हालाकि गुरुवार को इसके संबंध में लखनऊ में होने वाली आधिकारिक बैठक में इसकी पुष्टि हो पायेगी। फिलहाल जेपी की पोस्टिंग प्रतापगढ़ में एसएस के पद पर ही हुई थी। मजे की बात है कि उनकी पदोन्नति भी 48 सौ ग्रेड पे की कैटेगरी में हुई है। पूर्व एसएस अनिल दुबे का भी इसी कैटेगरी में प्रमोशन हुआ है।

बीबीएफजी का टीकाकरण कैम्प आज

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेंट्रल और बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी के संयुक्त तत्वावधान में कोविड टीकाकरण कैम्प 27 अगस्त को डेंटल केयर सेंटर दिव्यांग विद्यालय के सामने लगेगा। इस सिलसिले में गुरुवार को एक बैठक हुई जिसमें कैम्प की जानकारी दी गई। सहयोगी रोटेरियन अश्वनी केसरवानी ने बताया कि कैम्प में कोविड शील्ड का टीका लगेगा, जिनको टीका लगवाना है, वो आधारकार्ड साथ लेकर आएं। सहयोगी डॉक्टर अनुराग मिश्रा ने बताया कि कैम्प 11 बजे लगेगा।

विकास भवन में एक माह के अन्दर लिफ्ट का संचालन कराया जाए : मोती सिंह

कैबिनेट मंत्री ने विभिन्न विभागों के योजनाओं की किया समीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ। प्रदेश के ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम विकास मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह मोती सिंह ने क्षेत्रीय ग्राम्य विकास संस्थान अफीम कोठी के सभागार में जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल, मुख्य विकास अधिकारी प्रभाष कुमार सहित सम्बन्धित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विभागों के निर्माणाधीन कार्यो एवं अन्य योजनाओं के समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में खेलो इण्डिया के अन्तर्गत निर्माणाधीन स्टेडियम ढिढुई का कार्य सन्तोषजनक पाया गया एवं सरसीखाम व आसपुर देवसरा में कार्य की प्रगति सन्तोषजनक न होने पर कैबिनेट मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की और ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया कि स्टेडियम के कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाये अन्यथा की स्थिति में शिथिलता बरतने वाले अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जाये। पी0 एम0 जी0 एस0 वाई0 की समीक्षा में ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग के अधिशाषी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि 23 सड़कों के सुदृढ़ीकरण का डीपीआर बन रहा है और 11 सड़कों के मरम्मत का कार्य शुरू नही हुआ है, कार्यो की धीमी प्रगति पर कैबिनेट मंत्री ने नाराजगी व्यक्त करते हुये निर्देशित किया कि कार्य में तेजी लायी जाये।

वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष के पिता के निधन पर शोक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एमडीपीजी कॉलेज के वाणिज्य संकाय के अध्यक्ष डॉ छवि नारायण पांडे के पिता के निधन पर महाविद्यालय में गुरुवार को शोक सभा आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। शोक सभा में प्राचार्य डॉ ए के श्रीवास्तव, डॉ डी के पांडे, डॉ बलराज मिश्रा, डॉ मृदुल उपाध्याय, डॉ राजेंद्र प्रसाद मिश्र, रामकृष्ण तिवारी, सभाजीत यादव आदि उपस्थित रहे। पूर्व विधायक बृजेश मिश्र सौरभ, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, सपा नेता संजय पांडे, एमडीपीजी के पूर्व प्राचार्य डॉ विनोद शुक्ल, प्रो राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ प्रदीप कुमार सिंह, युवा चेतना मंच के अध्यक्ष ललित पांडे, भानु प्रताप पांडे, सुरेंद्र प्रसाद पांडे, पत्रकार संजय श्रीवास्तव, ब्रह्मदीपक राज मिश्र आदि ने गहरा दुःख एवं शोक व्यक्त किया है।

छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री के सलाहकार ने प्रतिभागियों को दिया प्रशिक्षण

कांग्रेस का जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उ0प्र0 कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रायोजित व जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर स्थानीय राधे पैलेस में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण व वन्दे मातरम गीत से प्रारंभ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव व छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के सलाहकार राजेश तिवारी मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ से आये मुख्यमंत्री के सलाहकार व प्रशिक्षक राजेश तिवारी, मुख्यमंत्री के सलाहकार व कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त विनोद वर्मा, जयवर्धन, विनय शील व आयुष पांडेय ने प्रतिभागियों को

प्रशिक्षित किया। इस दौरान छत्तीसगढ़ से आये प्रशिक्षकों ने अनेक विषयों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों में जिला कमेटी के अध्यक्ष व पदाधिकारी, शहर कमेटी के अध्यक्ष व पदाधिकारी, सभी फ्रंटल संगठनों के जिला अध्यक्ष गण, सभी विभागों व प्रकोष्ठों के अध्यक्ष गण, सभी ब्लॉक अध्यक्ष गण, सभी न्याय पंचायतों के अध्यक्ष गण व सेवादल के साथियों, सभी पूर्व अध्यक्षों सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के प्रतापगढ़ प्रभारी जय करन वर्मा व जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने सभी के प्रति आभार जताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से पं0श्याम किशोर शुक्ल, पूर्व अध्यक्ष नरसिंह प्रकाश मिश्र, बृजेन्द्र मिश्र, डॉ0 नीरज त्रिपाठी, डा0 वी0के0सिंह, इरफान अली, वेदांत तिवारी, महेंद्र शुक्ल, करुण पांडेय, सरोज कश्यप, उत्सव भूषण पाल, प्रेम शंकर द्विवेदी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

साफ-सफाई से ही महामारी से मिलेगी मुक्ति : सफाई निरीक्षक

नगर पालिका द्वारा कई वार्डों में मिशन शक्ति कार्यक्रम का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका परिषद बेला के बैनर तले सरकार द्वारा विगत 3 वर्षों से चलाया जा रहा मिशन शक्ति अभियान को नगर पालिका अध्यक्षा प्रेमलता सिंह एवं अधिशासी अधिकारी मुदित सिंह के निर्देशन में मिशन शक्ति फेज़-3 के तहत दहिलामऊ दक्षिणी में गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में प्रमुख रूप से महिलाओं के सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन एवं गीला-सूखा कूड़ा कचरा प्रबंधन के बारे मे सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि सभी लोग अपने आसपास एक जगह कूड़ा करकट न होने दें। सफाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई से ही महामारी जैसी बीमारी से मुक्ति मिलेगी। इस मौके पर स्वच्छ भारत मिशन के डी पी एम वरुण कुमार सिंह ने होम कंपोस्टिंग के

बारे में बताया और डी सी आशीष मिश्रा द्वारा कूड़ा कचरा को उचित स्थान कूड़ेदान में डालने की लिए प्रेरित किया। वी0 एस0 मेमोरियल स्कूल की प्रिंसिपल सिंह द्वारा अपने जीवन के संघर्ष के बारे में बताया और महिलाओं को प्रोत्साहित किया एवं निशा सिंह द्वारा अपने जीवन के अनुभव जिसमे महिला की सुरक्षा, उनके सशक्तिकरण के बारे में बताया। इस गोष्ठी में महिलाओं को महिला हेल्पलाइन नम्बर के बारे में सरोजा सिंह द्वारा बताया गया। उधर पठखौली वार्ड में मिशन शक्ति फेज़-3 के तहत गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में प्रमुख रूप से गीला-सूखा कूड़ा कचरा प्रबंधन के बारे में सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने अपने विचार रखे। इस मौके पर स्वच्छ भारत मिशन के डी पी एम वरुण कुमार सिंह, डी सी आशीष मिश्रा ने भी अपने विचार रखे।स्वयं सहायता समूह की सरोजा सिंह द्वारा महिला हेल्पलाइन पर विस्तृत चर्चा की गई। गोष्ठी में राजेन्द्र कुमार द्वारा शौचालय के प्रयोग के बारे में बताया गया। इस दौरान वार्ड की महिलाएं एवं वार्ड के सुपरवाइजर शैलेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

सपा युवा फ्रंटल संगठन युवजन सभा का हुआ विस्तार

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय मीरा भवन पर एक बैठक बुलाई गई जिसका मुख्य उद्देश्य समाजवादी पार्टी युवा फ्रंटल संगठन युवजन सभा का विस्तार किया गया जिसकी अगुवाई जिला अध्यक्ष यूवजन सभा संजीव पटेल ने किया। बैठक की अध्यक्षता छविनाथ यादव ने किया। छविनाथ यादव ने कहा कि नई हवा है, नई सपा है, बुजुर्गों का हाथ है, युवाओं का साथ है। युवाओं के हाथ में ही समाजवादी पार्टी की बागडोर है जिसको देखते हुए युवाओं को आगे बढ़ चढ़कर समाजवादी पार्टी के साथ खड़े होकर विरोधियों को हराना है और युवाओं को रोजगार दिलाना है। इस कार्यक्रम का संचालन अब्दुल कादिर जिलानी ने किया और साथ में पार्टी के तमाम पदाधिकारी और सीनियर नेता थे। इस कार्यक्रम में भैया राम पटेल, शाद अली, सुषमा पाल, जगदीश मौर्य, शबनम बानो, इरफान,गुलफाम खान, शशि शुक्ला, शमीम, रमेश यादव मीडिया प्रभारी वकार अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

विवेक कुमार बने समाजवादी युवजन सभा के जिला सचिव

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की अनुमति तथा प्रदेश अध्यक्ष युवजन सभा अरविंद गिरी की संस्तुति से प्रतापगढ़ निवासी विवेक कुमार यादव को समाजवादी युवजन सभा के जिला सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। विवेक कुमार देवापुर सकली, जेठवारा के निवासी हैं। लक्ष्मणपुर ब्लॉक के देवापुर सकली गॉव के तीन बार से प्रधान भी रहे हैं। समाजवादी युवजन सभा के जिला अध्यक्ष संजीव कुमार पटेल ने बधाई देते हुए कहा कि इस बार समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस मौके पर सलमान प्रधान दौलतपुर, केके सरोज प्रधान उमरपुर, दिनेश सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष लक्ष्मणपुर,,

ललित सरोज प्रधान रावतपुर, सुनील पाल, हरि लाल विश्वकर्मा, अनिल यादव, रमेश सरोज, अरविंद यादव एडवोकेट, जगदीश मौर्या एडवोकेट, पुरुषोत्तम यादव समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

100 आक्सीजन सिलेण्डर मेडिकल कालेज को उपलब्ध कराएगा आरएसएस

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ द्वारा विभिन्न स्तर पर तैयारी का कार्य चल रहा है। इसी क्रम में प्रतापगढ़ नगर के सह नगर संघ चालक नितेश खंडेलवाल ने अपने व्यक्तिगत प्रयासों के आधार पर सेव लाइफ फाउंडेशन नई दिल्ली के सहयोग से कोरोना महामारी से लड़ने के लिए 100 ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने का कार्य किया है, जो शीघ्र ही प्रतापगढ़ मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध हो जाएगा।

नितेश खंडेलवाल ने बताया कि संगठन के साथ साथ हम

सब की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है कि कोविड-19 से लड़ने के लिए अपने अपने स्तर पर प्रयास करते रहें। इस कार्य में प्रतापगढ़ के जिला कार्यवाह डॉक्टर सौरभ पांडेय और सांसद संगम लाल गुप्ता के साथ-साथ चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर्य देश दीपक ने भी आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

ट्रेन में छूटा बैग, जीआरपी ने लौटाया

प्रतापगढ़। पद्मावत एक्सप्रेस ट्रेन में गुरुवार को चेकिंग के दौरान जीआरपी को एक लावारिस बैग मिला। जिसे पुलिस ने उसके मालिक को लौटा दिया। लोगों ने पुलिस के कार्य की प्रशंसा की। कार्यवाहक इंचार्ज विनोद कुमार ने बताया कि चेकिंग के दौरान बैग हेड कांस्टेबल मनोज कुमार को मिला। बैग अतीक अहमद निवासी हकीम का पुरवा, कादीपुर कोतवाली नगर का था। उसमें शैक्षिक प्रमाण पत्र थे। बैग को अतीक को सुपुर्द कर दिया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र ऐठू में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम सम्पन्न

डिग्री कालेज कालाकांकर में दौड़ प्रतियोगिता सम्पन्न

परियावां, प्रतापगढ़। एमएमपीजी कालेज कालाकांकर में दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ विनीता सिंह ने किया दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर गोविन्द पाल, द्वितीय स्थान पर धीरज कुमार व तृतीय स्थान चेतन रहे। डॉ विनीता सिंह ने सभी विजयी खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक व कर्मचारी मौजूद रहे।

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कृषि विज्ञान केन्द्र ऐंठू में आजादी की 75वीं वर्षगाँठ मनाने की सरकार की पहल को साकार करते हुए आजादी का अमृत महोत्सव का आयोजन गुरुवार को कृषि विज्ञान केंद्र ऐठू में सम्पन्न हुआ।

महोत्सव का प्रारम्भ केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर द्वारा किया गया जिसका सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र में किया गया।

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 ए0के0 श्रीवास्तव ने किसानों व महिलाओं को कृषि क्षेत्र के बारे में बताया। गृह वैज्ञानिक स्वाती दीपक दुबे ने महिलाओं को पोषक तत्वों के बारे में अवगत कराया तथा उनसे होने वाली बीमारियों की जानकारी दी। भाष्कर शुक्ला ने किसानों व महिलाओं को

प्रदेश व केंद्र सरकार द्वारा किसान हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। इस अवसर पर डा0 ए0के0 श्रीवास्तव, डा0 नवीन कुमार सिंह, भाष्कर शुक्ला, स्वाती दीपक दूबे, अवधेश कुमार सिंह, महेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, डा0 रणजीत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

किसानों व महिलाओं को दी गई जानकारी

चौपाल लगाकर मंडलायुक्त ग्रामीणों से हुए रूबरू

पात्र लाभार्थी प्रत्येक दशा में योजनाओं से हो लाभांवित : योगेश्वर राम

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। मंडलायुक्त मिर्जापुर मंडल/नोडल आफिसर योगेश्वर राम मिश्र ने गुरूवार को अपने जनपद भ्रमण के दौरान ज्ञानपुर विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मणपट्टी में ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाकर एक-एक लाभार्थियों से रूबरू होकर उनसे मिल रहे योजनाओं के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लाभार्थी परक योजनाओं से सम्बन्धित विभागों के अधिकारीगण अपने-अपने विभागों के योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को प्रत्येक दशा में लाभान्वित कराये जाने में अहम भूमिका निभाये। इस कार्य में स्वयं रूची ले, अपने अधिनस्तो के भरोसे न छोड़े।

इस अवसर पर श्री मिश्र ने कहा कि समाज के अन्तिम पंक्ति में बैठे पात्र व्यक्ति का विकास जब तक नही होगा, तब-तक सही मायने में विकास नही माना जायेगा। उन्होंने संबंधित उप जिलाधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया कि लोगों का वरासत दर्ज कराने की कार्यवाही की जाय। यदि वरासत संबंधि कोई शिकायत आती है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर वरासत का कार्य किया जाय। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया कि गांव में पात्र लाभार्थियों का चयन कर राशन कार्ड बनवायें। मुख्यमंत्री आवास के लिए पात्रों का चयन का सेक सूची में इनका नाम अंकित कराये, ताकि इनको आवास से लाभान्वित कराया जाय। विद्युत आपूर्ति की खराब स्थिति की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए मंडलायुक्त ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को सख्त हिदायत दी कि शासन द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युति आपूर्ति सुनिश्चित कराये। यह भी कहे कि जहॉ भी ट्रान्सफार्मर खराब पाये जाय, उसे तत्काल ठीक कराये। इसके आलावा मंडलायुक्त ने सम्पर्क मार्ग, खाद्यान वितरण, पशुओं का टीकाकरण, विधवा पेशन, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, विद्युत, स्वास्थ्य, महिला हेल्पलाइन, आगनबाड़ी, आदि बिन्दुओं की अलग-अलग विभागवार समीक्षा कर सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को कमियों के प्रति आगाह किया। आयुक्त महोदय ने लाभार्थी परक योजनाओं वाले विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि चौपाल के बाद सभी अधिकारी विभागों के योजनाओं से संबंधित लाभार्थियों को पात्रता के आधार पर लाभ दिलाए। तत्पश्चात मंडलायुक्त ने डायट में हो रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण कयिा। निरीक्षण के दौरान निर्माण एजेंसी के न रहने पर नाराजगी जताई और अधिशासी अभियंता चूक को टेक्निकल रिपोर्ट बनाने का निर्देश दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी आर्यका आखिरी, पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी भानू प्रताप सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी महेन्द्र यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भुपेंद्रनाराण सिंह, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी गण मौजूद रहे।

पौष्टिक भोजन से स्वस्थ मन और शरीर का होता है निर्माण

अखंड भारत संदेश

मिशन शक्ति के अंतर्गत पोषण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

भदोही। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरुवार को महिला अध्ययन केंद्र ने मिशन शक्ति के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना और रोवर्स-रेंजर्स के सहयोग से चयनित ग्राम पलहैया में ग्रामीण महिलाओं के लिए पोषण और स्वास्थ्य विषय पर जागरूकता अभियान चलाया। प्राचार्य प्रो. डॉ मुरलीधर राम ने बताया कि अधिकतर महिलाएं घर के सदस्यों को खिलाने के बाद बचा हुआ खाना ही खाती है। जिससे कई बार सही पोषण नहीं मिल पाता है। उन्होंने महिलाओं को स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन करने के लिए प्रेरित किया। क्योंकि भोजन से स्वस्थ मन और शरीर का निर्माण होता है और स्वस्थ शरीर परिवार और समाज के विकास में अपना योगदान देता है। प्रभारी डॉ श्वेता सिंह, संयोजक डॉ माया यादव और रेंजर्स प्रभारी डॉ भावना सिंह ने ग्रामीण महिलाओं को पौष्टिक भोजन तैयार करने की सरल और सहज विधियों से अवगत कराया और गर्भावस्था के दौरान खानपान का विशेष ध्यान रखने की सलाह भी दी। कहा कि खानपान से ही बच्चे का शरीर और दिमाग सही से विकसित होता है। पौष्टिक आहार बनाने की स्पर्धा भी कराई गई। जिसमें प्रथम स्थान चमेला देवी, द्वितीय स्थान गुलाबना देवी और तृतीय स्थान चंदा देवी ने प्राप्त किया। राष्ट्रीय सेवा योजना और रोवर्स रेंजर्स के स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक और गीत गायन के माध्यम से स्वास्थ्य और भोजन के संबंध को रेखांकित किया। ग्राम प्रधान दिलीप यादव ने मिड डे मील में विविधता लाने का संकल्प लिया ताकि छोटी बच्चियों को पौष्टिक आहार मिल सके। प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक दिनेश मौर्य ने महिलाओं को एक समय के भोजन में ज्यादा से ज्यादा अनाजों तथा सब्जियों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया। चावल गेहूं के अतिरिक्त अन्य अनाजों मक्का, बाजरा आदि के साथ अरहर दाल के अतिरिक्त अन्य दालों को भी प्रयोग में लाने की सलाह दी। मिशन शक्ति तृतीय चरण के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता महिलाओं में उद्यमिता का विकास विषय पर आयोजित की गई। इस अवसर पर डॉ यशवीर सिंह, डॉ गौतम गुप्ता, अनुराग सिंह, डॉ आसुतोष कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी बृजेश कुमार और डॉ अनीश कुमार मिश्र, रोवर्स प्रभारी डॉ रुस्तम अली, डॉ राजकुमार सिंह यादव, डॉ अमित तिवारी उपस्थित रह कर प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया।

मतदाता सूचीः नए नामों को शामिल कराने में लगें कार्यकर्ता : अंजनी

उपरौठ में समाजवादी पार्टी के सेक्टर व बूथ प्रभारियों की हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

औराई। समाजवादी पार्टी के सेक्टर व बूथ प्रभारियों की बैठक गुरुवार को उपरौठ गांव में हुई। जिसमें काफी संख्या में पार्टी के सेक्टर व बूथ प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में मतदाता सूची में नये नामों को शामिल कराने पर जोर दिया गया।

इस दौरान पार्टी की वरिष्ठ नेत्री अंजनी सरोज ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जिन गांवों में युवाओं की उम्र 18 वर्ष हो गई है। उनका नाम मतदाता सूची में शामिल कराएं। साथ ही जिनका नाम मतदाता सूची में शामिल होने से छूट गया है। उनका भी नाम सूचि में डलवाने का काम किया जाएं। उन्होंने कहा कि जब समाजवादी विचारधारा वाले युवाओं व व्यक्तियों का नाम

मतदाता सूची में शामिल कराया जाएगा। उसका लाभ वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी को मिलेगा। वहीं पार्टी के वरिष्ठ युवा नेता रविशंकर यादव ने कहा कि हम लोग बूथ पर वोट भी बढ़ाएंगे और चुनाव में बूथ को भी जीतेंगे। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में जिले के तीनों विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी की जीत होगी। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता सलाउद्दीन अंसारी, गुलाब यादव, धर्मेंद्र मिश्र पप्पू, अखिलेश यादव, बिंदु सरोज, मुलायम यादव, जीतलाल पटेल, चंद्रबालक यादव व संजय यादव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के वरिष्ठ नेता राघवराम पाल व संचालन विधानसभा महासचिव केशनारायण यादव ने किया।

डाक सहायको की कमी बन रही है काम में बाधक

गोपीगंज। उप डाकघर गोपीगंज में डाक सहायकों के अभाव में काम काज सुचारु रुप से नही चल पा रहा है। एक सप्ताह से न रजिस्ट्री हो पा रही हैं और नही पार्सल बुक हो पा रहा है। एक मात्र डाक सहायक किसी तरह जमा निकासी का काम कर रहे है। डाकपाल को लेकर चार डाक सहायक वाले डाकघर गोपीगंज में लम्बे समय बाद तीन डाक सहायको की तैनाती की गई थी। कुछ दिन तक काम काज सुचारु रुप से चलता रहा, लेकिन आलाधिकारी बिना किसी की तैनाती किए दो डाक सहायको का तबादला कर दिया। दो डाक सहायको के चले जाने से एक सप्ताह से पूरी व्यवस्था बाधित हो गई है। डाकघर में केवल जमा निकासी का काम किसी तरह चल रहा है। डाकपाल शिवशंकर ने बताया कि दो डाक सहायको का स्थानांतरण हो गया है। जिससे कुछ काम काज बाधित है। आला अधिकारियों को मामले से अवगत करा दिया गया है।

संविधान में सभी को मिला है समानता का अधिकार

अखंड भारत संदेश

आनलाइन महिला समानता दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

घोसिया/भदोही। केशव प्रसाद मिश्र राजकीय महिला महाविद्यालय औराई में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा व सम्मान के लिए सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति तृतीय चरण के अंतर्गत ऑनलाइन महिला समानता दिवस का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की लगभग 70 से अधिक छात्राओं ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सर्वप्रथम मिशन शक्ति तृतीय चरण के संयोजक अनुज कुमार सिंह ने बताया कि आज ही के दिन 1920 में सर्वप्रथम अमेरिका में 19वें संविधान संशोधन द्वारा महिलाओं को मतदान का अधिकार मिला। बेल्ला अब्जुगके के प्रयास से वर्ष 1971 से प्रतिवर्ष 26 अगस्त को पूरे विश्व में महिला समानता दिवस मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति के तृतीय चरण में पूरे वर्ष 21 अगस्त से 31 दिसंबर तक प्रत्येक माह के चारों शनिवार को जैसे प्रथम शनिवार को लैंगिक समानता व स्वास्थ्यवर्धन विषयक कार्यक्रम, द्वितीय शनिवार को महिला सुरक्षा, तृतीय शनिवार को महिला सशक्तिकरण एवं चतुर्थ शनिवार को महिला उद्यमिता विकास को केंद्र में रखकर सेमिनार, वेबिनार, व्याख्यान, महिला परामर्श सत्र, मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग, बालिका सुरक्षा शपथ, योग एवं व्यायाम की ट्रेनिंग आदि आयोजित किए जाएंगे। महाविद्यालय में बालिका हेल्थ क्लब, महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ, स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी आगामी दिवसों में आयोजित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की बालिकाओं एवं प्राध्यापकों में से ही एजेंट आफ चेंज का चयन होना है, जिनको आगामी 2 अक्टूबर को सम्मानित किया जाएगा। विभिन्न प्रकार के दिवसों जैसे 10 दिसंबर को मानवाधिकार दिवस, 16 दिसंबर को निर्भया दिवस आदि को भी मनाने की योजना है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वृजकिशोर त्रिपाठी ने छात्राओं को कठिन परिश्रम करने के लिए उत्साहित किया। उन्होंने कहा कि हमें सबसे पहले अपनी सत्यता और ईमानदारी एवं आत्मविश्वास को अपने अभिभावक यानी मां-बाप के समक्ष प्रदर्शित करना होगा। सर्वप्रथम हमें अपने आप को बदलना होगा अपने आप में आत्मविश्वास पैदा करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री में सृजन की शक्ति होती है।

सपा मुखिया ने पत्र भेजकर जताया दुख

भदोही। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र कुमार मिश्र पप्पू के पिता पं.प्रभुनाथ मिश्र के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने पार्टी के मीडिया प्रभारी को पत्र भेजकर ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना की।

कालीन कारोबारी के यहां त्रयोदशाह में पहुंचे महाराष्ट्र सरकार के मंत्री

उनके साथ ही कांग्रेस के अन्य राष्ट्रीय नेता भी हुए शामिल

अखंड भारत संदेश

भदोही। काका ओवरसीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक यादवेंद्र राय काका की बड़ी भाभी व मुसीलाटपुर के पूर्व प्रधान बृजेंद्र राय बाबा की माता का गुरुवार को त्रयोदशाह का कार्यक्रम रहा। त्रयोदशाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महाराष्ट्र सरकार के ऊर्जा मंत्री एवं अखिल भारतीय अनुसुचित जाति जनजाति कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन राउत शामिल होने के लिए पहुंचे।

इस दौरान उनके साथ अखिल भारतीय अनुसुचित जाति जनजाति कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तनुज पुनिया, अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी बाजी राव खांड़े, कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता आलोक प्रकाश, परिमल सिंह व मिर्जापुर जिले के पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी सहित कांग्रेस पार्टी के काफी संख्या में राष्ट्रीय व प्रदेश स्तर के नेता त्रयोदशाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उनके मुसीलाटपुर गांव में स्थित पैतृक आवास पर पहुंचे। काका ओवरसीज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक यादवेंद्र राय काका के भतीजे वीरेंद्र राय भी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेता हैं।

इसके साथ ही जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माबूद खां, मुशीर इकबाल, संजीव दुबे, परवेज अंसारी, कमर मलिक व काशीनाथ आदि जिले के कांग्रेसी भी शामिल हुई। इस मौके पर सत्येंद्र राय, धीरेंद्र राय, डा.प्रमोद राय, डा.विनोद राय, डा.अनिल राय, डा.प्रशांत राय, शैलेंद्र राय, जितेंद्र राय, विकास राय, धर्मेंद्र राय, विमल राय, नितिन राय, उत्कर्ष राय व आदित्य राय आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सीएमओ ने किया सीएचसी का औचक निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज का मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा.संतोष कुमार चक ने औचक निरीक्षण किया। गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर अचानक धमक पड़े। इस दौरान डिलीवरी रुम, दवा वितरण कक्ष, ओपीडी समेत इमरजेंसी किट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक्सरे रूम बंद होने पर संबंधित लोगों को कड़ी हिदायत देते हुए फटकार लगाई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी जब तक अस्पताल में रहे कर्मियों के हाथ पाव फूलते रहे। लगभग आधे घंटे तक मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में निरीक्षण किया ह

सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ हो गुण्डा एक्ट के तहत कार्यवाही : मंडलायुक्त

मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने कलेक्ट्रेट सभागार में की विकास कार्यो व कानून व्यवस्था की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। मंडलायुक्त/नोडल अधिकारी योगेश्वर राम मिश्र ने गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिले की विकास योजनाओं के साथ ही कानून व्यवस्था की समीक्षा की। विभागवार समीक्षा के दौरान मंडलायुक्त ने स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण कार्यों, महिला कल्याण, पेंशन योजनाओं, श्रमिकों का पंजीकरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं फसल बीमा योजना, कन्या सुमंगला योजना, पंचायत भवनों एवं सामुदायिक शौचालयों के निर्माण की स्थिति, खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत खाद्यान्न का वितरण व उठान, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं शहरी समेत अन्य कार्यक्रमों की गहन समीक्षा करने के साथ ही अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि वे व्यक्तिगत रूचि लेकर योजनाओं में प्रगति लाएं तथा लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं की जवाबदेही तय कराएं।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देशित किया मुख्य चिकित्साधिकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की उपस्थिति, अस्पतालों की साफ-सफाई, व आशा बहुओं के भुगतान अवश्य रूप से सुनिश्चित कराए। पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि पशुओं का टीकाकरण अधिक से अधिक कराए और जिओ टैग भी कराए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कार्यालयाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि उनके विभाग के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों का कोविड टीकाकरण अनिवार्य रूप से हो जाए। उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारी को निर्देश दिया कि शासन द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनरूप विद्युत आपूर्ति कराए, अन्यथा कठोर कार्रवाई की जाएगी। सिंचाई विभाग के अधिकारी पर छेछुआ में निर्माण के बाबजूद हो रहे कटान पर रोष जताते हुए जांच करने का निर्देश दिया। आयुक्त महोदय ने जिला पंचायत राज अधिकारी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया कि ऑपरेशन कायाकल्प में कार्य कराकर शत प्रतिशत पूर्ण कराए। श्रम विभाग की समीक्षा में उन्होंने निर्देश दिए कि कैम्प लगाकर संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का ज्यादा से ज्यादा संख्या में पंजीकरण करायें। पीएम किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा के दौरान उपनिदेशक कृषि ने बताया कि आवेदन सत्यापन हेतु लंबित हैं, जिनकी जांच कराकर शीघ्र योजना से आच्छादित कराया जाएगा। आयुक्त ने निर्देश दिए कि प्रवर्तन कार्य बढ़ाया जाय तथा गुणवत्तापरक उर्वरकों एवं बीजों की उपलब्धता समय से सुनिश्चित कराई जाय। कानून व्यवस्था की समीक्षा में मंडलायुक्त ने जनपद में अवैध शराब निर्माण संचरण व वितरण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रवर्तन की कार्यवाही करने तथा चेकिंग अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए हैं। बैठक में उन्होंने कहा कि चकरोड व अन्य सरकारी संपत्तियों पर कब्जा करने वाले के विरुद्ध गुंडा एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की जाए।

लटकते जर्जर विद्युत तारों को तत्काल बदलवायें

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने अपने जनपद भ्रमण के दौरान नगर पालिका परिषद गोपीगंज का निरीक्षण कर अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिया की नगर पालिका परिषद में विशेष रूप से सफाई अभियान चलाकर सफाई कार्य कराए। उन्होंने निर्देश दिया की मॉर्निंग वॉक में आप सफाई कार्य को चेकिंग करे। उन्होंने एसडीएम ज्ञानपुर को निर्देश दिया कि लटकते जर्जर तारों को तत्काल हटवायें। उन्होंने हाईवे के किनारे अतिक्रमण को हटाने तथा हाइवे के किनारे एसडीएम, पीडब्ल्यूडी, सीओ, थानाध्यक्ष, सभी एक साथ जन्माष्टमी के दो दिन बाद जांच कर पीला पट्टी लगाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। कहा कि पीले पट्टी लाइन पर ठेले लगाने वालो के खिलाफ चालान करें।

जिला उद्योग कार्यालय का मंडलायुक्त ने किया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने जिला उद्योग कार्यालय का निरीक्षण कर ओडोपी योजना के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने हस्तशिल्पी, जीआई प्रोडक्ट, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उद्योग अधिकारी ने कार्यालय के रास्ते के बारे में मंडलायुक्त को अवगत कराया। जिस पर उन्होंने जल्द से जल्द इस रास्ते को बनाने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिया।

सम्पादकीय

तात्कालिक हितों से आगे

चाहे संयुक्त राष्ट्र के अलग-अलग मंचों का उपयोग करने का सवाल हो या विभिन्न मित्र देशों से बातचीत का- भारत ने हर मौके का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने की कोशिश में किया है कि अफगानिस्तान दुनिया भर में तबाही फैलाने का नया केंद्र न बने और न ही वहां के नागरिकों के गरिमापूर्ण जीवन बिताने में कोई स्थायी बाधा खड़ी हो। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के सत्र को संबोधित करते हुए भारत ने एक बार फिर पूरी दुनिया का ध्यान इस तथ्य की ओर खींचा कि अफगानिस्तान में सुरक्षा और मानवाधिकार का कितना बड़ा मसला खड़ा हो रहा है। उसने हर हाल में यह सुनिश्चित करने की जरूरत बताई कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन अन्य देशों के खिलाफ न कर सकें। गौर करने की बात है कि जहां इस क्षेत्र के कुछ अन्य देश अपने नजरिए को अपने संकीर्ण और तात्कालिक हितों तक सीमित रखते हुए तालिबान से करीबी बनाने में लगे हुए हैं, वहीं भारत खुद को संयत रखते हुए न केवल अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर बारीकी से नजर बनाए हुए है, बल्कि देश दुनिया की वृहत और दूरगामी चिंता को स्वर दे रहा है।

चाहे संयुक्त राष्ट्र के अलग-अलग मंचों का उपयोग करने का सवाल हो या विभिन्न मित्र देशों से बातचीत का- भारत ने हर मौके का इस्तेमाल यह सुनिश्चित करने की कोशिश में किया है कि अफगानिस्तान दुनिया भर में तबाही फैलाने का नया केंद्र न बने और न ही वहां के नागरिकों के गरिमापूर्ण जीवन बिताने में कोई स्थायी बाधा खड़ी हो। कुछ हलकों से यह सवाल उठाया गया है कि भारत सरकार अफगानिस्तान के सवाल पर कुछ बोल क्यों नहीं रही। लेकिन यह समझे जाने की जरूरत है कि अफगानिस्तान में अभी घटनाक्रम बहुत तेजी से बदल रहा है और यह साफ नहीं हो रहा है कि वहां आखिरकार स्थितियां क्या आकार लेने वाली हैं। तालिबान ने अपनी तरफ से कुछ पदों पर नियुक्तियों की घोषणा जरूर की है, लेकिन सरकार अभी वहां बनी नहीं है। देखना होगा कि तालिबान अकेले अपनी सरकार घोषित करते हैं या हामिद करजई जैसी किसी शख्सियत को प्रमुख बनाते हुए अपने प्रभाव वाली सरकार बनाते हैं या विभिन्न समूहों को मिला-जुलाकर कोई संयुक्त राष्ट्रीय सरकार बनाई जाती है। इसके बाद ही संबंधित सरकार को लेकर कोई रुख कायम किया जा सकता है। फिलहाल पहली जरूरत यही है कि जो लोग वहां फंसे हुए हैं और निकल कर भारत आना चाहते हैं, उनके सुरक्षित निकल आने की व्यवस्था की जाए। यह काम लगातार किया जा रहा है। यह भी अच्छी बात है कि सरकार ने गुरुवार को अफगानिस्तान के सवाल पर सर्वदलीय बैठक बुलाई है। अपने देश में विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण सवालों पर राजनीतिक सर्वमान्यता की परंपरा रही है। इस परंपरा को कायम रखते हुए विपक्ष को विश्वास में लेने की सरकार की यह पहल सराहनीय है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस सर्वदलीय बैठक से उभरीं भारत सरकार की नीतियां न केवल अफगानिस्तान को झंझावात के मौजूदा दौर से निकलने में मदद करेंगी बल्कि वहां की नई सरकार को भारत की चिंताओं का सम्मान करने को भी प्रेरित करेंगी।

सरकार क्यों लीज पर देने जा रही है संपत्ति

चंद्रभूषण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सरकारी संसाधनों को लीज पर देकर अगले चार वर्षों में छह लाख करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की है। नैशनल मॉनिटाइजेशन पाइपलाइन (एनएमपी) नाम की यह योजना इसी साल लाने की बात उन्होंने इस बार के अपने बजट भाषण में कही थी। एनएमपी का सीधा संबंध पिछले साल घोषित नैशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन (एनआईपी) से है। एनआईपी सौ लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की एक बृहद इन्फ्रास्ट्रक्चर योजना है, जिसको अभी 111 लाख करोड़ रुपये की बताया जा रहा है। दरअसल, मोदी सरकार बहुत बड़े आंकड़ों के जरिये दुनिया को यह संकेत देना चाहती है कि भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के स्तर पर कुछ वैसा ही घटित हो रहा है, जैसा 1930 के दशक में अमेरिका में हुआ था, या फिर पिछले तीसेक वर्षों में चीन में हुआ है।

इसके लिए 100 करोड़ रुपये से ऊपर की 7320 ढांचागत परियोजनाओं को एक ही सूची में डाल दिया गया है और इनको अमल में उतारने का काम केंद्र सरकार (39 प्रतिशत), राज्य सरकारों (40 प्रतिशत) और प्राइवेट सेक्टर (21 प्रतिशत) को मिलकर करना है। नैशनल मॉनिटाइजेशन पाइपलाइन इसी के लिए पैसा जुटाने की एक कवायद है। यह योजना अभी घोषित तो हो गई है लेकिन इससे पैसे कितने आएंगे, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। एनआईपी के लिए सरकारी धन एनएमपी के अलावा सरकारी खजाने और विनिवेश से आना है। इसमें सरकारी खजाने का भरना या खाली रहना अर्थव्यवस्था की गति और उससे होने वाले टैक्सेशन पर निर्भर करता है। लेकिन एनएमपी और विनिवेश से, यानी सरकारी परिसंपत्तियों को निजी उपयोग के लिए देने पर आने वाले पैसों को लेकर कुछ समझ बनानी हो तो पिछले साल के एक आंकड़े पर गौर कर सकते हैं। सन 2020 के बजट भाषण में वित्त मंत्री ने विनिवेश के जरिये अगले (अभी पिछले) वित्त वर्ष में 2 लाख 10 हजार करोड़ रुपये जुटाने की घोषणा की थी। लेकिन वास्तव में खींच-तानकर यह रकम 19,499 करोड़ रुपये तक पहुंच पाई, जो लक्ष्य का बमुश्किल 9 फीसदी था। इस हकीकत को ध्यान में रखकर ही मौजूदा वित्त वर्ष में विनिवेश का लक्ष्य 1 लाख 75 हजार करोड़ रखा गया। हालात तब से अब तक कुछ सुधरे जरूर हैं, पर इतने नहीं कि इस वित्त वर्ष के बचे हुए सात महीनों में एनएमपी के मद में 88 हजार करोड़ रुपये और जुटाए जा सकें।तो एक मामला नैशनल मॉनिटाइजेशन पाइपलाइन से जुड़े लक्ष्यों के यथार्थपरक होने से जुड़ा है। लेकिन लोगों में चर्चा इस बात की ज्यादा है कि सरकार इतने लंबे समय में खड़े किए गए महत्वपूर्ण संसाधनों को औने-पौने किसी को भी बेच देने पर आमादा है। विनिवेश के मामले में ऐसा हमने बार-बार होते देखा है। मोदी सरकार इस किस्से को ज्यादा तूल न पकड़ने देने को लेकर सतर्क है लिहाजा वित्त मंत्री ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जोर देकर कहा कि एनएमपी में ब्राउनफील्ड यानी पहले से खड़े संसाधन प्राइवेट सेक्टर को लीज पर दिए जाएंगे। उन्हें बेचा नहीं जाएगा, उनका स्वामित्व सरकार के ही पास बना रहेगा।

ये संसाधन कौन से हैं? सबसे ज्यादा सड़कें (कुल संभावित रकम का 27 प्रतिशत), फिर रेलवे (25 प्रतिशत), बिजली (15 प्रतिशत), तेल और गैस पाइपलाइनें (8 प्रतिशत) और टेलिकॉम (6 प्रतिशत)। बचे 19 प्रतिशत में हवाई अड्डे, बंदरगाह, गोदाम और स्पोर्ट्स स्टेडियम वगैरह शामिल हैं। ध्यान रहे, इन ढांचागत संसाधनों का काफी बड़ा हिस्सा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत बिल्ड-ऑपरेट-ट्रांसफर की शर्तों से बंधा हुआ है। ऐसे मामलों में तो कोई लीज भी नहीं है फिर भी सारा कुछ बिल्ड-ऑपरेट में उलझा रह जाता है, ट्रांसफर की नौबत ही नहीं आती। एक छोटा सा उदाहरण दिल्ली और नोएडा को जोड़ने वाले एक पुल का ले लें। इसे बनाने वाली कंपनी ने अपनी लागत और मुनाफा काफी पहले निकाल लिया, फिर नोएडा टोलब्रिज नाम से शेयर बाजारों में अपना रजिस्ट्रेशन भी करा लिया। सड़क और पुल का मालिकाना सौंपने की बात यूपी सरकार की ओर से ही आ सकती थी, लेकिन कंपनी ने उसी को मैनेज कर लिया था। साल दर साल उसकी टोल वसूली चलती जा रही थी। हारकर कुछ नागरिक मामले को अदालत में ले गए तो वहां भी मुकदमा लंबा खिंचने लगा। फिर एक दिन फैसला आ गया कि कंपनी अपनी वसूली पूरी कर चुकी है, अब वह अपना टोल हटा ले। उसके बाद भी कुछ समय तक टोल चलता रहा। फिर लोगों ने जमा होकर उसे हटवाया तो बात बनी। कोई नहीं जानता कि छह लाख करोड़ जुटाने के लिए सरकारी संसाधन जब लीज पर दिए जाएंगे तो यह लीज कितने साल की होगी। निश्चित रूप से यह अवधि काफी लंबी होगी क्योंकि ये संसाधन किसी प्राइवेट पार्टी को अभी की हालत में अतिरिक्त पैसे नहीं देने वाले। इन्हें प्रॉफिटेबल बनाने के लिए उसे इनके इर्दगिर्द कुछ और ढांचे खड़े करने होंगे। मसलन, एक टोलदार सड़क से अतिरिक्त कमाई करने के लिए सड़क किनारे की जगहों का बेहतर उपयोग करना होगा- जैसे उन्हें ढाबों और मनोरंजन की जगहों के लिए सब-लीज पर देना। लेकिन ऐसे काम लंबी लीज की मांग करते हैं। सरकारें संसाधनों का मालिकाना अपने हाथ में बने रहने की बात जरूर करती हैं लेकिन यह एक हवा-हवाई मामला ही हुआ करता है। एक जमीन को 99 साल की लीज पर देने के बाद उस पर अपने मालिकाने की बात आप पांच पीढ़ी आगे के लिए कर रहे होते हैं, जब दुनिया कुछ की कुछ हो चुकी होगी। यहां सौदे को आकर्षक बनाने के लिए सरकार के पास अकेला रास्ता उसे सस्ते से सस्ता रखने का है। मसलन, 2.86 लाख किलोमीटर लंबे देशव्यापी ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क की लीज से 26,300 करोड़ आने की उम्मीद की गई है। यह रकम 9 लाख रुपये प्रति किलोमीटर से भी कम पड़ रही है, जो एक तरह से अपनी संपत्ति को मिट्टी के मोल निकाल देने जैसा ही है। देखें, कितना पैसा इससे जुटता है, कितनी नौकरियों की भरपाई हो पाती है।

रुक-रुक कर चलेगी विपक्षी एकता की गाड़ी

नरेन्द्र नाथ

पिछले कुछ दिनों से 2024 आम चुनावों के मद्देनजर विपक्षी एकता की कोशिशें तेज हो गई हैं। हर कोई अपने स्तर पर इसे आकार देने के लिए सक्रिय है। कभी ममता बनर्जी तो कभी शरद पवार, कभी राहुल गांधी तो कभी सोनिया गांधी- सभी इसमें भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं। अब तक इन तमाम बैठकों से विपक्षी एकता को लेकर मिश्रित संकेत मिले हैं। लेकिन इतना तय है कि अगर विपक्षी एकता को आकार लेना है तो इन नेताओं को कई सवालों के जवाब तलाशने होंगे जो उठने शुरू हो गए हैं। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के साथ ही अधिकतर क्षेत्रीय दलों के नेताओं ने 2004 मॉडल को फिर से अपनाने की मंशा दिखाई है।

2004 में यूपीए के गठन के पीछे भी सोनिया गांधी की पहल थी। तमाम क्षेत्रीय दलों को एक मंच पर लाने के बाद ही अटल बिहार वाजपेयी की अगुआई वाली एनडीए सरकार को 2004 में अप्रत्याशित रूप से हटाने में कामयाबी मिली। तब आम सहमति से तय हुआ था कि नेता का मसला चुनाव के बाद देखा जाएगा। ऐसा ही कुछ इस बार करने की तैयारी दिख रही है। 20 अगस्त को हुई विपक्षी दलों की बड़ी मीटिंग में भी अधिकतर नेताओं ने इसी पैटर्न की बात कही। लेकिन इस बार मामला उतना आसान नहीं है। 2004 के मुकाबले 2024 में बड़ा बदलाव आ चुका है। हाल के समय में चुनाव नाम के दम पर लड़ने का ट्रेंड बढ़ा है। आम चुनाव में मोदी बनाम कौन का सवाल उठ सकता है। यह मुद्दा 20 अगस्त की मीटिंग में भी उठा। महाराष्ट्र के सीएम और शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि भले नेता का चुनाव बाद में तय करने का फैसला ले लिया जाए लेकिन फिर भी यह बात जेहन में रखनी होगी कि जब हम जनता के बीच जाएंगे तो लोग यह सवाल पूछ सकते हैं।

हालांकि ममता बनर्जी ने कहा कि मोदी के सामने हम जनता को चेहरा बनाएंगे। आम राय बनी कि अभी विपक्षी एकता की कोशिश को आगे बढ़ाया जाए और नेतृत्व के सवाल को आगे के लिए छोड़ दिया जाए। नेतृत्व के अलावा दूसरा अहम मसला जो मीटिंग में उठा वह था मुद्दों का। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने मीटिंग में इस बात पर चिंता जताई कि विपक्ष का अधिकतर समय ऐसे मुद्दों में चला जाता है जिससे आम लोगों का सरोकार नहीं होता। परोक्ष रूप से उन्होंने पेगासस जासूसी कांड की ओर इशारा किया। उनका कहना था इससे बड़ा मसला महंगाई या बेरोजगारी है। उनकी बातों का कुछ अन्य दलों ने समर्थन किया। वहीं तेजस्वी यादव ने परोक्ष रूप से कांग्रेस से कह दिया कि वह क्षेत्रीय दलों को अधिक जगह दे। उनका इशारा कांग्रेस की ओर से चुनावों में अधिक सीट मांगने के लिए दबाव देने की ओर था।

भले विपक्षी एकता के लिए होम वर्क अभी से शुरू हो गया हो, लेकिन अभी अधिकतर दल खासकर क्षेत्रीय पार्टियां उसे अंतिम रूप देने के मूड में नहीं हैं। वे इसके लिए अगले साल तक इंतजार करना चाहेंगी। दरअसल 2022 में कई ऐसी सियासी घटनाएं होंगी जो इन प्रयासों को नया आकार दे सकती हैं। विपक्ष को सबसे पहले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की बाधाा पार करनी है। जीत-हार के अलावा विपक्षी दलों को लगता है कि उत्तर प्रदेश के चुनाव में बीजेपी की सीटें कम हुईं तो 2022 का राष्ट्रपति चुनाव दिलचस्प हो सकता है। इसके अलावा 2024 से पहले गुजरात, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनाव होने हैं। अगले साल के अंत में गुजरात में भी चुनाव होंगे।इन सभी राज्यों में मुख्य मुकाबला बीजेपी और कांग्रेस के बीच ही है। बीजेपी का सफल राजनीतिक सफर अगर इन राज्यों में जारी रहा तो आम चुनाव से पहले कांग्रेस की सौदेबाजी की ताकत और कम हो जाएगी।

स्वाभाविक ही क्षेत्रीय विपक्षी दल चाहते हैं कि अंतिम मोर्चा तय करने से पहले इन घटनाओं का नतीजा देख लिया जाए।दरअसल पिछले कुछ सालों से कांग्रेस के गिरते ग्राफ से हालात पार्टी के खिलाफ बने हैं। साथ ही कांग्रेस के अंदर नेतृत्वहीनता के कारण क्षेत्रीय दलों की उससे दूरी भी बढ़ी है। क्षेत्रीय दलों ने विपक्षी एकता न होने के लिए कांग्रेस को ही जिम्मेदार ठहराया। यह भी कहा गया कि जब राहुल गांधी कांग्रेस अध्यक्ष थे तब वह दूसरे दलों को जोड़ने में कामयाब नहीं रहे। पिछले कुछ दिनों से इसी धारणा को दूर करने की कोशिश की जा रही है। राहुल गांधी ने संसद के मानसून सत्र में सभी दलों के साथ बेहतर समन्यव बनाने की पहल की। तमाम विपक्षी दलों के साथ होने वाली मीटिंग में राहुल गांधी सक्रियता से साथ निभा रहे हैं। वे अलग-थलग रहने वाले नेता की छवि को तोड़ना चाहते हैं। आगे यह कवायद किस दिशा में आगे बढ़ती है वह भी कई चीजें तय करेगी। उधर नवीन पटनायक की बीजेडी भी पिछले कुछ सालों में पहली बार कुछ-कुछ मसलों पर विपक्ष के साथ दिखने की कोशिश कर रही है। जाति जनगणना के मुद्दे पर वह विपक्षी दलों की मांग के साथ है। उधर के चंद्रशेखर राव की टीआरएस भी विपक्षी खेमे में अपनी जगह तलाश रही है। जानकारों के अनुसार जिस तरह बीजेपी ने इन दोनों राज्यों में पैठ बढ़ाई है उससे ये दोनों नेता चिंतित हैं। ये तमाम पहलू हैं जिनसे जुड़े सवाल विपक्षी एकता की दिशा और शर्तें तय करेंगे।

प्रधानमंत्री की गिरती लोकप्रियता की वजह विरोधाभासी प्राथमिकताएं

डॉ. लखन चौधरी

सरकार की गलत नीतियों से लोगों की खून-पसीने की कमाई महंगाई की भेंट चढ़ती जा रही है। तात्पर्य यह है कि अर्थव्यवस्था के लिए मोदी सरकार की संकुचित एवं विरोधाभासी प्राथमिकताएं और दांव लगातार उल्टी पड़ती जा रही है। अर्थव्यवस्था में जो संभावनाएं हैं, सरकार उनका सही लक्ष्य के लिए उपयोग करने में लगातार नाकाम होती जा रही है। मोदी एवं मोदी सरकार की लोकप्रियताओं में गिरावट की यही मुख्य वजह है। एक अंग्रेजी निजी चैनल के हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता में 42 फीसदी की भारी गिरावट आई है। अगस्त 2020 की तुलना में अगस्त 2021 में प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता 66 फीसदी से 28 फीसदी गिरकर महज 24 फीसदी रह गई है। इसी तरह जनवरी 2021 की तुलना में अगस्त 2021 में ही 14 फीसदी गिर चुकी है। यानि मोदी की लोकप्रियता अगस्त 2020 में 66 फीसदी थी, जो जनवरी 2021 में गिरकर 38 फीसदी हो गई और अब यह अगस्त 2021 में पुनः गिरकर 24 फीसदी रह गई है। इस तरह के सर्वेक्षण कोई सर्वमान्य निष्कर्ष नहीं माने जा सकते हैं, लेकिन इससे एक प्रारंभिक अनुमान जरूर लगता है। लोकप्रियता में गिरावट की मुख्य वजह महंगाई, बेराजगारी, आर्थिक बदहाली जैसे जन सरोकार से जुड़े मुद्दों की अनदेखी हो सकती है।

कोरोना कालखण्ड में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में आई भारी गिरावटों के दौर के बाद देश की आर्थिक सेहत एवं हालातों को लेकर तमाम तरह के कयास लगाये जा रहे हैं, भविष्यवाणियां की जा

रही हैं। देश की आर्थिक स्थिति को लेकर सरकार के नुमांइदों की ओर से विरोधाभासी बयान दिये जा रहे हैं। महामारी के कारण पिछले साल जीडीपी में 7.3 फीसदी की गिरावट के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर के संबंध में विश्व बैंक के अनुमान 8.3 फीसदी और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुमान 9.5 फीसदी के बीच सरकार ने 10.5 फीसदी के अनुमान लगाये हैं। जबकि पिछले एक-डेढ़ साल के प्रदर्शन बताते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पिछले 40 वर्षों की सबसे खराब स्थिति में है। ऐसे में सवाल उठना एवं चिंता होना जायज है कि आखिर सरकार इतनी आशावादी कैसे, क्यों है ? जबकि अर्थव्यवस्था की स्थिति अभी भी बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती है।

सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार ने 2022-23 के लिए 8 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि की भविष्यवाणी की है। भारतीय निर्यात में उछाल एवं बढ़ोतरी, कॉर्पोरेट मुनाफे और टैक्स राजस्व में भारी लाभ होगा, आर्थिक गतिविधियों के डिजिटलीकरण से उत्पादकता में वृद्धि एवं लाभ जैसी आशावादी अपेक्षाओं का हवाला देते हुए सरकार बड़ी सुधार की उम्मीद कर रही है। बैंकिंग सुधारों, मेक इन इंडिया, बिजली सेक्टर में सुधार, परिवहन खासकर रेलवे के ढांचे में भारी निवेश से मिले लाभों आदि आधारों पर सरकार के सलाहकार अर्थव्यवस्था में बड़ी सुधार की बातें कह रहे हैं। लेकिन यह देखना अधिक महत्वपूर्ण है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में अनेक प्रकार के विरोधाभास हैं, जो अक्सर सरकार के अनुमानों पर पानी फेरते रहते हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था में एक तरफ जीडीपी लगातार बढ़ रही है, लेकिन रोजगार के अवसर लगातार घट, कम हो रहे हैं। कॉर्पोरेट घरानों की स्थिति में सुधार हो रहा है, लेकिन लघु एवं मझोले सेक्टर अपने पैर पर खड़े नहीं हो पा रहे हैं। मुद्रास्फीति या महंगाई ऊंचाई पर बनी हुई है, इसके बावजूद अर्थव्यवस्था में खपत, मांग एवं रोजगार के अवसर बढ़ नहीं पा रहे हैं। सरकार ने कोरोना महामारी के झटकों से उबरने के लिए लाखों करोड़ के आर्थिक पैकेज की घोषणाएं की हैं, लेकिन धरातल पर इनका अपेक्षित प्रभाव या परिणाम न ार नहीं आ रहे हैं। सरकार की विरोधाभासी नीतियों का और उदाहरण देखिये कि सरकार 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करना चाहती है, लेकिन किसान आंदोलन को लगभग सालभर होने वाले हैं, और सरकार किसानों की बात से इत्तेफाक तक नहीं रख रही है। सरकार 2024 तक देश की अर्थव्यवस्था को पांच ट्रिलियन यानि 350 लाख करोड़ यानि 50 खरब की अर्थव्यवस्था बनाना चाहती है, जबकि इस समय भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविकता लक्ष्य की आधी नहीं है। एनएसएसओ के अनुसार इस वक्त अर्थव्यवस्था 2011-12 के स्थिर कीमतों पर 134 लाख करोड़ एवं 2020-21 की चालू कीमतों पर 194 लाख करोड़ की है। सरकार देश के मुनाफा देने वाली सार्वजनिक उपक्रमों का तेजी से विनिवेशीकरण करती चली जा रही है। सरकारी क्षेत्र में नई भर्तियां होने नहीं देने के कारण रोजगार के नये अवसर पैदा नहीं हो रहे हैं। निजी क्षेत्रों में धड़ल्ले से मशीनीकरण हो रहा है। यानी देश में चारों ओर बेरोजगारों की फौज खड़ी होती चली जा रही है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था में तमाम तरह के विरोधाभास देखने को मिल रहे हैं, लेकिन सरकार की नासमझी से अर्थव्यवस्था की जटिलताएं कम होने के बजाय बढ़ती चली जा रही हैं।कोरोना कालखण्ड में कृषि क्षेत्र ही अर्थव्यवस्था का पालनहार एवं तारणनहार बनी थी, इसके बावजूद सरकार कृषि क्षेत्र में गैर जरूरी सुधारों के लिए अड़ी है। मध्यमवर्गीय किसानों के लिए सब्सिडी बढ़ाने के बजाय बड़े कार्पोरेट किसानों के लिए कारपेट बिछाने में लगी है। साल में 6 हजार रुपये की सब्सिडी देकर दोगुनी आमदनी का झांसा दे रही है, जबकि खेती-किसानी में श्रम, बीज, खाद, दवाईयों आदि लागतें इससे कई गुना अधिक बढ़ चुकी हैं। इसकी भरपाई के लिए समर्थन मूल्यों में कम से कम 50 फीसदी से अधिक की मूल्यवृद्धि की आवश्यकता है, मगर सरकार 2-5 फीसदी की बढ़ोतरी करके अपनी जरूरी एवं जायज जिम्मेदारी से बचना चाहती है। कोरोना कालखण्ड के पूर्व तक देश की सकल घरेलू बचत दर जीडीपी की 32-35 फीसदी थी, जो पिछले दशक भर से चली आ रही थी। सरकार की अव्यावहारिक एवं गैर जरूरी नीतियों से उपजी महंगाई एवं कीमत वृद्धि की वजह से यह घरेलू बचत अब गिरकर 15-18 फीसदी रह गई है, जो कि पिछले 15 सालों की सबसे बड़ी गिरावट है।

अफगानिस्तान को पाकिस्तान और चीन के हवाले होते हुए हम बस देख रहे हैं

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

मान लिया कि हमारी सरकार तालिबान से कोई ताल्लुक नहीं रखना चाहती लेकिन पूर्व राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री हामिद करजई और डॉ. अब्दुल्ला तो हमारे मित्र हैं। वे मिली-जुली सरकार बनाने में जुटे हुए हैं। उनकी मदद हमारी सरकार क्यों नहीं कर रही है ? यह अच्छी बात है कि हमारा विदेश मंत्रालय सभी प्रमुख पार्टियों के नेताओं को अफगानिस्तान के बारे में जानकारी देगा। क्या जानकारी देगा ? वह यह बताएगा कि उसने काबुल में हमारा राजदूतावास बंद क्यों किया ? दुनिया के सभी प्रमुख दूतावास काबुल में काम कर रहे हैं तो हमारे दूतावास को बंद करने का कारण क्या है ? क्या हमारे पास कोई ऐसी गुप्त सूचना थी कि तालिबान हमारे दूतावास को उड़ा देने वाले थे? यदि ऐसा था तो भी हम अपने दूतावास और राजनयिकों की सुरक्षा के लिए पहले से जो स्टाफ था, उसे क्यों नहीं मजबूत बना सकते थे ? हजार-दो हजार अतिरिक फौजी जवानों को काबुल नहीं भिजवा सकते थे ? यदि पिछले 10 दिनों में हमारे एक भी नागरिक को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया गया है तो वे हमारे राजदूतावास को नुकसान क्यों पहुंचाते अर्थात वर्तमान स्थिति के बारे में हमारी सरकार का मूल्यांकन ठीक नहीं निकला। जहाँ तक नागरिकों की वापसी का सवाल है, चाहे वह देर से ही की गई लेकिन हमारी सरकार ने दुरुस्त किया। हमारी वायुसेना को बधाई लेकिन दूतावास के राजनयिकों को हटाने के बारे में विदेश मंत्रालय संसदीय नेताओं को संतुष्ट कैसे करेगा ? इसके अलावा बड़ा सवाल यह है कि काबुल में सरकार बनाने की कवायद पिछले 10 दिन से चल रही है और भारत की भूमिका उसमें बिल्कुल शून्य है। शून्य क्यों नहीं होगी ? काबुल में इस समय हमारा एक भी राजनयिक नहीं है।मान लिया कि हमारी सरकार तालिबान से कोई ताल्लुक नहीं रखना चाहती लेकिन पूर्व राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री हामिद करजई और डॉ. अब्दुल्ला तो हमारे मित्र हैं। वे मिली-जुली सरकार बनाने में जुटे हुए हैं। उनकी मदद हमारी सरकार क्यों नहीं कर रही है ? हम अफगानिस्तान को पाकिस्तान और चीन के हवाले होने दे रहे हैं। हमारी सरकार की भूमिका इस समय काबुल में पाकिस्तान से भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो सकती थी, क्योंकि तालिबान खुद चाहते हैं कि एक मिली-जुली सरकार बने। इसके अलावा तालिबान ने आज तक एक भी भारत-विरोधी बयान नहीं दिया है। उन्होंने कश्मीर को भारत का अंदरूनी मामला बताया है और अफगानिस्तान में निर्माण-कार्य के लिए भारत की तारीफ की है। यह सोच बिल्कुल पोंगापंथी और राष्ट्रहित विरोधी है कि हमारी सरकार तालिबान से सीधा संवाद करेगी तो भाजपा के हिंदू वोट कट जाएंगे या भाजपा मुस्लिमपरस्त दिखाई पड़ने लगेगी।

तालिबान अपनी मजबूरी में पाकिस्तान का लिहाज़ करते हैं, वरना पठानों से ज्यादा आजाद और स्वाभिमानी लोग कौन हैं ? मोदी सरकार ने सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करते हुए वह अवसर भी खो दिया, जबकि वह काबुल में सं.रा. शांति सेना भिजवा सकती थी। विदेश मंत्री जयशंकर को अपनी खिंचाई के लिए पहले से तैयार रहना होगा और अब जरा मुस्तैदी से काम करना होगा, क्योंकि भाजपा के पास विदेश नीति को जानने-समझने वाले नेताओं का बड़ा टोटा है।

मंदिरों के गांव मलूटी के जीवन भर संरक्षक बने रहे गोपालदास

दुमका जिला के शिकारीपाड़ा स्थित ऐतिहासिक मंदिरों का गांव मलूटी के नायक गोपालदास मुखर्जी (मुखोपाध्याय) का निधन मंगलवार की रात को हो गई। नब्बे वर्षीय गोपालदास ने जीवनपर्यंत मंदिर की रक्षा के लिए संघर्षरत रहे। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को किया किया गया। गोपालदास का जन्म 23 अप्रैल 1932 में मलूटी गांव के जानकीनाथ मुखोपाध्याय के घर हुआ था। संतान नहीं होने की वजह से वे अपने भांजा सोमेन बनर्जी और उनके परिवार के साथ वह गांव में रह रहे थे। इनकी प्राथमिक शिक्षा मध्य विद्यालय मलूटी में शुरू हुई। 1943 में वर्ग सातवीं की परीक्षा दुमका से उर्तीण होते हुए वे उच्च विद्यालय रामपुरहाट वीरभूम से 1948 में मैट्रिक पास किया था। कोलकाता विश्वविद्यालय से 1962 में इंटरमीडिएट और 1965 में स्नातक की परीक्षा उन्होंने पास की। वर्ष 1969 में इन्होंने इतिहास से से स्नातकोत्तर किया और 1972 में राष्ट्रीय विज्ञान से एमए किया। इसके बाद वे वायुसेना में सेवा देने लगे। जहां से 10 अक्टूबर 1967 को सेवानिवृत्त होने के बाद एक जुलाई 1968 से मध्य विद्यालय मलूटी में शिक्षक के रूप में योगदान दिया। वहां से 30 अप्रैल 1992 को सेवानिवृत्त होने के बाद पूरा जीवन मंदिर के गांव मलूटी के संरक्षण में लगा दिया। वायु सेना में सेवा देते हुए उन्होंने तीन उपन्यास की रचना की। जिसमें नत सिर उर्मी, मोती बाई, गोपालपूरे रूपकथा शामिल है। 1981 से 1983 के बीच देवभूमि मलूटी, 2002 में बाजेर बदले राज और 2005 में उसी का बांग्ला से इक्षहदी रूपांतरण किया। इसके बाद अंग्रेजी में टेंपल्स ऑफ मलूटी और गुप्तकाशी मलूटी नामक किताब लिखी। इन्होंने 1989 में मलूटी में रामदेव मंदिर का निर्माण कराया और वर्ष 2001 से इस मंदिर प्रांगण में मुफ्त होम्योपैथिक दवा का वितरण प्रत्येक रविवार औरं गुरुवार को कराना शुरू किया। समग्र विकास परिषद शिकारीपाड़ा के आजीवन सदस्य सदस्य रहे। उनके प्रयास से मलूटी गांव में मसलीन एवं सिल्क का उत्पादन शुरू किया गया था।

मंदिरों का गांव मलूटी को पर्यटन के मानचित्र पर लाने का श्रेय गोपालदास मुखोपाध्याय के नाम दर्ज है। इन्होंने विलुप्त हो रहे इस ऐतिहासिक धरोहर को बचाने के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष किया। इनके संघर्ष का ही नतीजा है कि आज मलूटी में बदलाव की बयार है। हालांकि, गोपालदास यहां मंदिरों को बचाने के नाम पर किए गए जीर्णोद्धार कार्य से काफी नाखुश थे। इनका कहना था कि जीर्णोद्धार के नाम पर मंदिरों की मूल स्वरूप छीना जा रहा है। जबकि अपने मूल स्वरूप के लिए ही मंदिरों का गांव मलूटी को जाना जाता है। टेराकोटा नक्काशी को जाना जाता है।

-सरिता कुमारी

उत्तर प्रदेश सरकार ने भारतीय कुश्ती को 2032 ओलंपिक तक लिया गोद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष ब्रिजभूषण शरण सिंह ने कहा कि कुश्ती खेल को गोद लेने वाली उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पहलवानों के समर्थन और बुनियादी ढांचों के लिए 2032 ओलंपिक तक 170 करोड़ रुपये का निवेश किए जाने की उम्मीद है। डब्ल्यूएफआई के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि उन्होंने ओडिशा सरकार के हॉकी खेल के समर्थन देने के कदम से प्रेरणा लेकर उत्तर प्रदेश सरकार से अपने खेल के लिए इसी तरह की मदद की गुजारिश की। सिंह ने कहा, ओडिशा छोटा राज्य है, फिर भी वह इतने शानदार तरीके से हॉकी का समर्थन कर रहा है तो हमने सोचा कि उत्तर प्रदेश कुश्ती का समर्थन क्यों नहीं कर सकता जबकि यह इतना बड़ा राज्य है। हमने उनसे संपर्क किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे स्वीकार कर लिया। हमने अपने प्रस्ताव में 2024 खेलों तक प्रत्येक

वर्ष समर्थन के लिए 10 करोड़ रुपये की मांग की (मतलब 30 करोड़ रुपये) और फिर 2028 के अगले ओलंपिक चक्र के लिए प्रत्येक वर्ष 15 करोड़ रुपये (60 करोड़ रुपये) की मदद के लिए कहा है और अंतिम चरण में 2032 के लिए प्रत्येक वर्ष 20 करोड़ रुपये (80 करोड़ रुपये) के लिए कहा।

सिंह ने कहा, ऐसा करने से प्रयोजन सिर्फ देश के शीर्ष पहलवानों तक ही सीमित नहीं रहेगा। बल्कि कैडेट स्तर के पहलवानों को भी प्रायोजित किया जाएगा और हम राष्ट्रीय चैम्पियनों को भी पुरस्कार राशि दे सकेंगे। डब्ल्यूएफआई ने 2018 में टाटा मोटर्स से भी भारतीय कुश्ती के मुख्य प्रायोजक के तौर पर भागीदारी की थी जिससे उन्हें 12 करोड़ रुपये का वित्तीय सहयोग मिला था और महासंघ टोक्यो ओलंपिक तक पहलवानों को केंद्रीय अनुबंध दे सका था। पता चला है कि शुक्रवार को नये करार के साथ यह भागीदारी फिर शुरू हो जाएगी। सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की इस मदद से भारतीय कैडेट स्तर के पहलवानों को भी विदेशों में ट्रेनिंग दौरे मिल पाएंगे। यह देखना होगा कि राज्य सरकार से इस करार के बाद डब्ल्यूएफआई निजी एनजीओ जैसे जेएसडब्ल्यू और ओजीक्यू को कुश्ती का समर्थन करने की अनुमति देगा या नहीं। इसके बारे में पूछने पर सिंह ने कहा कि सभी दरवाजे खुले हैं लेकिन एक शर्त के साथ। उन्होंने कहा, हमें पहले भी उनकी जरूरत नहीं थी। लेकिन अगर वे सहयोग करना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। हम बस यही चाहते हैं कि वे डब्ल्यूएफआई के साथ पारदर्शी रहें। वे पहलवानों के साथ गुपचुप करार नहीं कर सकते। अगर वे मदद करना चाहते हैं तो वे हमारे साथ बैठकर योजना बना सकते हैं।

पाक जैवलिन थ्रोअर को लेकर दिए गए बयान पर नीरज चोपड़ा ने दी सफाई, कहा- इस मुद्दे पर राजनीति न करें

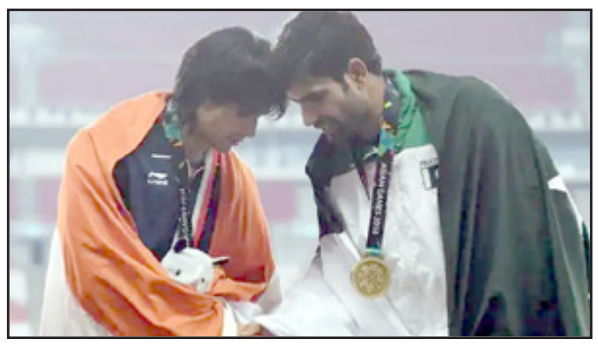

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत को गोल्ड मेडल दिलाने वाले जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने एक इंटरव्यू में बताया था कि इवेंट के दौरान उनका जैवलिन पाकिस्तान के जैवलिन थ्रोअर अरशद नदीम के पास था। नीरज के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा हो गया। तमाम लोग ऐसे मैसेज लिखने लगे कि अरशद ने उस समय जानबूझकर नीरज का जैवलिन ले लिया था। अब नीरज चोपड़ा ने इस पूरे मामले पर सफाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर बताया कि अरशद ने जो कुछ किया था, उसमें कुछ गलत नहीं था। दरअसल, नीरज ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि फाइनल मुकाबले में उनका जैवलिन अरशद के पास था, जिसको खोजने के लिए वह काफी परेशान हुए थे। नीरज के इस खुलासे के बाद फैन्स ने अरशद को आड़े हाथों लिया है और इसको बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की जा रही है। गोल्ड मेडलिस्ट नीरज ने इसी बीच अपने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर करते हुए अरशद का बचाव किया है और उन्होंने सभी से अपील की है कि इस पर राजनीति न की जाए। नीरज चोपड़ा ने अपने ट्विटर पर शेयर किए वीडियो के कैप्शन में लिखा, मेरी आप सभी से विनती है कि मेरे कमेंट को अपने गंदे एजेंडा को आगे बढ़ाने का माध्यम न बनाए। स्पोर्ट्स हम सबको एकजुट होकर साथ रहना सिखाता है और कमेंट करने से पहले खेल के रूल्स जानना जरूरी होता है। वीडियो में नीरज ने बताया कि जैवलिन थ्रो के नियमों के अनुसर एक एथलीट दूसरे एथलीट के जैवलिन को प्रैक्टिस के लिए इस्तेमाल कर सकता है और फाइनल में अरशद भी ऐसा कर रहे थे। इससे पहले ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में बताया था कि, कहानी ये है कि मैं फाइनल की शुरुआत से पहले अपना जैवलिन तलाश कर रहा था। मैं उसे नहीं खोज पा रहा था। अचानक मैंने देखा कि अरशद नदीम मेरे जैवलिन के साथ घूम रहा है। मैंने उससे कहा, भाई यह मेरा जैवलिन है, यह मुझे दे दो। मुझे इससे थ्रो करना है। तब उसने मुझे वह वापस किया। बता दें कि नीरज चोपड़ा और अरशद काफी अच्छे दोस्त हैं और वह कई टूर्नामेंट में साथ में शिरकत कर चुके हैं। नीरज ने अरशद के प्रदर्शन की तारीफ भी की थी। उन्होंने कहा था, अरशद नदीम ने क्वालीफाइंग राउंड के साथ-साथ फाइनल में भी वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया।

भारत के जी साथियान ने जीता आईटीटीएफ चेक इंटरनेशनल ओपन खिताब

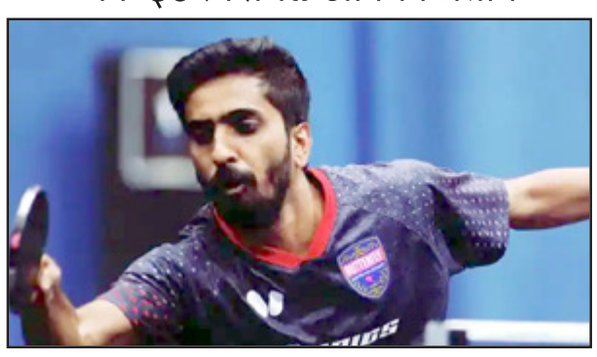

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान ज्ञानसेकरन ने आईटीटीएफ चेक इंटरनेशनल ओपन का खिताब जीत लिया है। ज्ञानसेकरन ने फाइनल में यूक्रेन के येवेन प्रिश्चेपा को 11-9, 11-6, 11-6 और 14-12 से हराकर खिताब अपने नाम किया। 28 साल के साथियान इन दिनों शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। ज्ञानसेकरन ने इस चेक ओपन में बिना एक भी गेम हारे अपनी पांचवीं जीत दर्ज कर ली है। उन्होंने पिछले दिनों टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा के साथ मिलकर बुडापेस्ट में खेले गए डब्ल्यूटीटी कंटेंडर का खिताब अपने नाम किया था। ओलंपिक में खराब प्रदर्शन के बाद ज्ञानसेकरन शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। सेमीफाइनल में स्वीडन के टूल्स मोरगार्ड ने चोट के कर खेलने से मना कर दिया था।

बजरंग के बाद अब रवि दहिया भी विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे, सामने आई बड़ी वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। टोक्यो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट पहलवान रवि दहिया ने कहा है कि उन्होंने आगामी विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है क्योंकि उन्हें भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अगले हफ्ते होने वाले चयन ट्रायल के लिए तैयारी का समय नहीं मिला, जिसके जरिए इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की टीम का चयन होगा। डब्ल्यूएफआई दो से 10 अक्तूबर तक नॉर्वे के ओस्लो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए मंगलवार को चयन ट्रायल का आयोजन करेगा। दहिया और टोक्यो ओलंपिक खेलों के अन्य पदक विजेता अपने सम्मान के आयोजित समारोह के लिए एक राज्य से दूसरे राज्य की यात्रा कर रहे है।दहिया ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, मैं बिना तैयारी के मैट पर नहीं उतरना चाहता। बिना पर्याप्त अभ्यास के प्रतिस्पर्धा

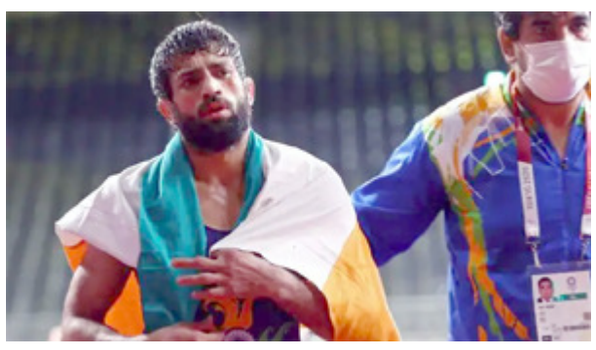

पेश करने का क्या फायदा। इसलिए मैं विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लूंगा क्योंकि मैं पर्याप्त अभ्यास के बिना ट्रायल में नहीं उतरना चाहता। दहिया विश्व चैंपियनशिप में नहीं जाने वाले भारत के दूसरे बड़े पहलवान हैं। इससे पहले टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट बजरंग पूनिया भी दाएं घुटने में चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।इस पहलवान ने कहा, मैं सत्र खत्म होने से पहले एक या दो टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का प्रयास करूंगा। मैं अगले महीने से ट्रेनिंग शुरू करूंगा। यह पूछने पर कि क्या बहुत अधिक समारोह से वह परेशान हैं, दहिया ने कहा कि उन्हें कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने कहा, आप उन्हें ना कैसे कह सकते हो। वे आपके अपने लोग हैं जो सम्मान दिखाना चाहते हैं और आपको सम्मानित करना चाहते हैं। बात सिर्फ इतनी है कि इससे थकान हो जाती है। उम्मीद की जा रही थी कि दहिया विश्व चैंपियनशिप में 57 किग्रा की जगह 61 किग्रा में हिस्सा लेंगे क्योंकि पहलवानों के लिए वजन घटाना और फिर इसे बरकरार रखना बड़ी समस्या होती है।

पैरालंपिक गेम्स 2020: भाविनाबेन टेबल टेनिस के नॉकआउट दौर में

टोक्यो (एजेंसी)। भारतीय खिलाड़ी भाविनाबेन पटेल गुरुवार को यहां ग्रेट ब्रिटेन की मेगान शैकलटन पर 3-1 की जीत से टोक्यो पैरालंपिक खेलों की टेबल टेनिस के विमेंस सिंगल्स क्लास 4 इवेंट में नॉकआउट दौर में पहुंच गई। भारत की 34 वर्षीय खिलाड़ी ने दुनिया में नौवें नंबर की शैकलटन को 41 मिनट तक चले मैच में 11-7, 9-11, 17-15, 13-11 से हराया। दुनिया में 12वें नंबर की भारतीय के लिए यह करो या मरो वाला मैच था। उन्होंने पहला गेम केवल आठ मिनट में जीता लेकिन शैकलटन ने दूसरा गेम जीतकर अच्छी वापसी की। इसके बाद अगले दो गेम में दोनों खिलाड़ियों ने अपनी जी जान लगा दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने महत्वपूर्ण मौकों पर अंक बनाए और जीत हासिल करने में सफल रही।

यूएस ओपन में दर्शकों को नहीं पहनना पड़ेगा मास्क, स्टेडियम भरे रहने की उम्मीद

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। दर्शकों के लिए अगले सप्ताह से शुरू होने वाले यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मैचों के दौरान मास्क पहनना या वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट देना करना अनिवार्य नहीं होगा।कोरोना वायरस के कारण एक साल पहले यूएस ओपन का आयोजन दर्शकों के बिना किया गया था, लेकिन इस बार स्टेडियम खचाखच भरे रहने की संभावना है। अमेरिकी टेनिस संघ के उपाध्यक्ष और चिकित्सा सलाहकार समूह के सदस्य डॉ. ब्रायन हेनलाइन ने कहा, हमारा लक्ष्य कोविड के सभी मामलों को रोकना नहीं है। अभी कोविड का प्रकोप नहीं है जिससे हमें किसी तरह का पछतावा हो। उन्होंने कहा, हम अब भी लोगों की

भलाई के बारे में सोच रहे हैं। जिन लोगों का वैक्सीनेशन नहीं हुआ है उन्हें वास्तव में मास्क पहनना चाहिए हालांकि हम उन्हें इसके लिए मजबूर नहीं करेंगे। मुझे लगता है कि जिनका वैक्सीनेशन हो गया है उनमें से भी कुछ मास्क पहनेंगे। साल का अंतिम ग्रैंडस्लैम सोमवार से न्यूयॉर्क में शुरू होगा। अमेरिका में कोविड-19 के नए मामले लगभग 150,000 प्रतिदिन पर पहुंच गए हैं, जो जनवरी के बाद से सबसे ज्यादा हैं। इनमें डेल्टा वेरियंट से जुड़े मामले अधिक हैं।

हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते सेरेना विलियम्स ने यूएस ओपन से नाम लिया वापस

न्यूयॉर्क अमेरिका की स्टार महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स ने यूएस ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। यूएस ओपन अगले सप्ताह से खेला जाना है। साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से बाहर होते हुए विलियम्स ने कहा कि उनकी हैमस्ट्रिंग इंजरी अभी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है। छह बार यूएस ओपन खिताब अपने नाम कर चुकीं सेरेना पिछले कुछ समय से इंजरी से परेशान हैं। 39 साल की सेरेना टोक्यो ओलंपिक में भी हिस्सा नहीं ले पाई थीं, इसके अलावा सिनसिनाटी ओपन से भी बाहर रही थीं। विलियम्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, अपनी मेडिकल टीम और डॉक्टरों से बातचीत करने के बाद उनकी सलाह मानते हुए मैंने यूएस ओपन से अपना नाम वापस लेने का फैसला लिया है, जिससे मैं पूरी तरह से हैमस्ट्रिंग इंजरी से उबर सकूं। न्यूयॉर्क दुनिया की सबसे अच्छी सिटी में शामिल है और मेरी पसंदीदा जगहों में से एक है खेलने के लिए। मैं अपने फैन्स को मिस करूंगी, लेकिन मैं बाहर बैठकर सबके लिए चीयर करूंगी।

फीफा के अध्यक्ष जियानी इनफैनटिनो ने ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन को लेटर लिखकर की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा (वर्ल्ड की सर्वोच्च फुटबॉल संस्था) अध्यक्ष जियानी इनफैनटिनो ने वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए सभी खिलाड़ियों को रिलीज करने की बात करते हुए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन से फुटबॉलरों को क्वारंटाइन में छूट देने के लिए कहा है ताकि वे अपने देशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए अगले हफ्ते इन मैचों के लिए यात्रा कर सकें। इनफैनटिनो ने बुधवार को एक बयान में कहा, मैंने प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को लिखा है और जरूरी सहयोग (विशेषकर क्वारंटाइन में छूट) की अपील की है ताकि खिलाड़ियों को फीफा वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाइंग मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के मौके से वंचित नहीं होना पड़े। मैंने सुझाव दिया कि ब्रिटेन सरकार

ने यूरो 2020 के अंतिम चरण में जिस तरह का रुख अपनाया था, वह आगामी इंटरनेशनल मैचों के लिए भी इसे लागू करे। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) ने कहा कि वह इंग्लैंड की रेड लिस्ट में शामिल देशों के खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स में भाग लेने की अनुमति नहीं देगा। दुनिया की सबसे धनी लीग की मंगलवार को की गई इस घोषणा से पता चलता है कि फीफा कोरोना वायरस से जुड़े क्वारंटाइन और क्लबों की चिंताओं को नजरअंदाज करके आगामी सप्ताहों में अधिक से अधिक वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के आयोजन के लिए कितना अधिक विरोध झेल रही है।

इंग्लिश कप्तान जो रूट ने ठोका सीरीज का तीसरा शतक, कई बड़े रिकॉर्ड्स पर किया कब्जा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच लीड्स के हैडिंग्ले स्टेडियम में खेला जा रहा है। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने तीसरे टेस्ट में शतक

लगाने के साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। जो रूट ने इंग्लैंड ने तरफ से सभी फॉर्मेटों को मिलाकर सबसे ज्यादा शतक लगा लिए हैं। जो रूट के नाम 39 शतक हैं। उन्होंने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक का रिकॉर्ड तोड़ा। इसके साथ ही रूट एक कैलेंडर ईयर में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा शतक ठोकने वाले भी बल्लेबाज बन गए हैं। एलिस्टर कुक के नाम सभी फॉर्मेटों में मिलाकर 38 शतक है। इसके अलावा जो रूट ने एक कैलेंडर वर्ष में इंग्लैंड की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 2021 में 1366 रन बना लिए हैं। एलिस्टर कुक ने साल 2015 में 1364 रन बनाए थे। जो रूट ने कप्तान के तौर पर 12 वां टेस्ट शतक बनाया। इसी के साथ ही उन्होंने एलिस्टर कुक की बराबरी कर ली है। कुक के नाम पर भी कप्तान के तौर पर 12 शतक हैं।जो रूट की की बात करें तो उन्होंने इस सीरीज में तीन शतक ठोक दिए हैं। जो रूट ने नॉटिंघम टेस्ट में शतक ठोका। इसके बाद लॉर्ड्स में भी रूट ने नाबाद शतक जड़ा और अब लीड्स में भी उन्होंने शतक जड़ हैट्रिक लगा दी है।

आईओसी के अध्यक्ष थॉमस बाक ने भारत के ओलंपिक की मेजबानी करने को लेकर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा है कि भारत उन कई देशों में शामिल है जो 2036, 2040 और इसके बाद होने वाले ओलंपिक की मेजबानी के इच्छुक हैं।

आईओसी ने हाल में घोषणा की थी कि ब्रिसबेन 2032 ओलंपिक की मेजबानी करेगा। वॉल स्ट्रीट जनरल की खबर में बाक के हवाले से कहा गया है कि पिछले महीने 2032 खेलों की मेजबानी के लिए ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन को चुने जाने के बावजूद आईओसी के पास 2036, 2040 और इसके बाद होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी के इच्छुक देशों की कतार है। खबर के अनुसार मेजबानी के इच्छुक देशों में इंडोनेशिया, भारत, जर्मनी और कतर शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जनरल ने बाक के हवाले से कहा, और ये सिर्फ वे नाम हैं जो मेरे

दिमाग में आ रहे हैं। इसलिए हम काफी अच्छी दीर्घकालिक स्थिति में हैं। बाक की यह टिप्पणी उस समय आई है जब लाखों डॉलर के बढ़ते खर्चों के कारण खेलों के आयोजन को लेकर बहस चल रही है। हाल में संपन्न टोक्यो खेलों के दौरान भी ओलंपिक की मेजबानी के लिए खर्च की गई धनराशि को लेकर विरोध हुआ था। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के महासचिव राजीव मेहता ने पीटीआई को कंफर्म करते हुए कहा कि उन्होंने खेलों के महाकुंभ की मेजबानी में दिलचस्पी दिखाई है। मेहता ने कहा, टोक्यो ओलंपिक से पहले वीडियो कांफ्रेंस के जरिए आईओए आयोग की बैठक में आईओए ने 2036 और इसके बाद होने वाले ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा जताई थी।

विराट कोहली के नाम बतौर कप्तान दर्ज हुआ यह शर्मनाक रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच लीड्स के हैडिंग्ले स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच में भारतीय कप्तान विराट कोहली के नाम एक शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। कोहली की कप्तानी में ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी टीम ने सबसे ज्यादा रनों की लीड ली है। इससे पहले उनकी कप्तानी में सबसे ज्यादा रनों की लीड का रिकॉर्ड इंग्लैंड के नाम ही था। साल 2018 में इंग्लैंड ने लॉर्ड्स टेस्ट में भारत के खिलाफ पहली पारी के आधार पर 289 रनों की लीड ली थी। लीड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। लीड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैड ने जो रूट के शतक के दम पर भारत को बैकफुट पर ला दिया है। रूट ने 124 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का 23वां शतक जड़ा। इस सीरीज में ये उनका तीसरा शतक है।

आखिरी सेशन में चमके भारतीय गेंदबाज, इंग्लैंड ने ली 345 रनों की बढ़त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जा रहा है। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने पहली पारी में 8 विकेट खोकर 423 रन बना लिए हैं। क्रेग ओवरटन 24 और ओली रोबिन्सन बिना खाता खोले नाबाद लौटे। इंग्लिश कप्तान जो रूट ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए अपने करियर का 23वां और इस सीरीज का तीसरा शतक जड़ा। रूट के अलावा, डेविड मलान ने भी 70 रनों की शानदार पारी खेली। भारत की ओर से गेंदबाजी में मोहम्मद शमी ने तीन और मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा ने दो-दो विकेट झटके। पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड की बढ़त 345 रनों की हो चुकी है और टीम बेहद मजबूत स्थिति में नजर आ रही है।

केरल में कोरोना के अनकंट्रोल पर स्वास्थ्य मंत्री ने पल्ला झाड़ा, होम क्वारंटाइन को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल में कोरोना वायरस के मामलों में उछाल के लिए राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने होम क्वारंटाइन में रह रहे लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। वीना जॉर्ज ने गुरुवार को कहा कि कोरोना संक्रमण का प्रसार ज्यादातर होम क्वारंटाइन में हो रहा है क्योंकि लोग घर पर रहकर नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि हाल ही में हुए एक रिसर्च से पता चला है कि राज्य में 35 फीसदी लोग घर में ही इस बीमारी से संक्रमित पाए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि होम क्वारंटाइन का मतलब है कि संक्रमित लोगों को खुद को परिवार के सदस्यों से भी अलग करना चाहिए। वर्तमान स्थिति यह है कि लोग परिवार के अन्य लोगों से संक्रमित हो रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बहुत से लोग होम क्वारंटाइन का विकल्प चुन रहे हैं। जॉर्ज ने कहा कि जिन लोगों के पास घरों में आवश्यक सुविधाएं हैं, उन्हें होम क्वारंटाइन को प्राथमिकता देनी चाहिए और अन्य लोगों को कोविड-19 देखभाल केंद्रों में स्थानांतरित कर देना चाहिए। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने गुरुवार को कहा कि राज्य ने एक बार फिर पिछले 24 घंटे में 30000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। नए केस में उछाल के साथ ही राज्य में एक बार फिर रस्साकशी शुरू हो गई है। विपक्ष ने राज्य में कोरोना अनकंट्रोल होने के लिए विजयन सरकार की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है। दूसरी ओर से सरकार ने इसका बचाव किया है। केरल में गुरुवार को 30007 नए मामले सामने आए, जो कि बुधवार को राज्य में 31445 नए मामलों से थोड़ा कम है। नए मामलों में बढ़ोतरी के बाद केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने राज्य में कोरोना की स्थिति की समीक्षा और अधिकारियों से स्थिति को नियंत्रित करने के लिए तत्काल कदम उठाने को कहा।

तालिबान राज आने से भारत के अफगानिस्तान में निवेश का क्या होगा, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद भारत के सामने भी मुश्किल खड़ी हो गई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत ने केवल अफगान लोगों की दोस्ती में निवेश किया है और उन्हें विश्वास है कि उसे अफगानिस्तान में अपने निवेश का पूरा मूल्य मिलेगा। अफगानिस्तान की स्थिति पर आज हुई सर्वदलीय बैठक से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद भारत वैश्विक कूटनीति के केंद्र में था और वर्तमान शासन के साथ भविष्य के संबंधों पर कॉल करने के लिए जमीनी स्तर पर स्थिति ठीक नहीं थी। अफगानिस्तान की स्थिति पर सर्वदलीय बैठक में शामिल होने वाले 31 दलों के 37 नेताओं से पहले नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से जोरदार जवाब देते हुए, जयशंकर ने स्पष्ट रूप से स्पष्ट किया कि तालिबान द्वारा काबुल पर कब्जा करने के बाद भारत वैश्विक कूटनीति के केंद्र में था और वर्तमान शासन के साथ भविष्य के संबंधों पर कॉल करने के लिए जमीनी स्थिति बहुत ठीक नहीं थी। तालिबान और जमीनी स्थिति इतनी अस्थिर थी कि वर्तमान शासन के साथ भविष्य के संबंधों के बारे में कोई फैसला नहीं किया जा सकता। संसद में साढ़े तीन घंटे तक 26 वक्ताओं को सुनने के बाद, विदेश मंत्री ने संसद सदस्यों द्वारा पूछे गए प्रत्येक प्रश्न

और अवलोकन का स्पष्ट रूप से उत्तर दिया। विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला ने जयशंकर के हस्तक्षेप करने से पहले 45 मिनट तक सांसदों को जानकारी दी।

सर्वदलीय बैठक में नेताओं को अफगानिस्तान की मौजूदा स्थिति को दर्शाने के लिए वहां फैली अराजकता के साथ काबुल के दो क्लिप दिखाए जाने के बाद नेताओं ने विदेश मंत्रालय की सराहना की। सांसदों ने सवाल किया कि भारत तालिबान के साथ जुड़ाव और मान्यता की दिशा में क्या कदम उठा रहा है। इस सवाल के जवाब में जयशंकर ने जवाब दिया कि भारत प्रतीक्षा और निगरानी मोड में था क्योंकि काबुल में या अंतरराष्ट्रीय समुदाय के भीतर अफगानिस्तान के नए शासकों के बारे में कोई निश्चितता नहीं थी।

सोनू सूद से होगी अरविंद केजरीवाल की मुलाकात, पंजाब चुनाव से यूं जोड़ा जा रहे कनेक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मशहूर अभिनेता सोनू सूद की शुक्रवार को होने वाली मुलाकात के कई राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। यहां सबसे पहले आपको बता दें कि नई दिल्ली में कल सीएम अरविंद केजरीवाल और सोनू सूद की मुलाकात होनी है। हालांकि, इस मुलाकात किस विषय को लेकर है अभी इसपर अभिनेता या आम आदमी पार्टी की तरफ से कुछ भी नहीं कहा गया है लेकिन इस

मुलाकात को पंजाब विधानसभा चुनाव से जोड़ कर जरुर देखा जा रहा है। अगले साल पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। पंजाब एक ऐसा राज्य है जहां आम आदमी पार्टी अपने लिए संभावनाएं तलाशने में जुटी हुई है। इस कड़ी में सीएम केजरीवाल ने पूर्व मंत्री एवं शिअद (संयुक्त) के नेता सेवा स?िंह सेखवां से मुलाकात कर उनको पार्टी ज?वाइन करवाई है। आम आदमी पार्टी को अभी पंजाब में किसी बड़े चेहरे की तलाश है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ऐसी कई वजहे हैं जिसको लेकर यह कहा जा सकता है कि सोनू सूद के रूप में आप की यह तलाश खत्म हो सकती है। सोनू सूद की गिनती सिर्फ एक अभिनेता के तौर पर ही नहीं होती बल्कि कोरोना महामारी के दौरान सोनू सूद ने अपनी एक खास पहचान भी बनाई। सोनू सूद ने लॉकडाउन में फंसे करीब डेढ़ लाख लोगों को उनके घरों तक पहुंचाने में बड़ी मदद की थी। लॉकडाउन के दौरान सोनू सूद सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से आम जनता के संपर्क में लगातार बने हुए थे।

रोड पर टैक्सी की तरह चलेंगी एयर टैक्सी, ड्रोन पॉलिसी से होगा संभव : ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने देश में ड्रोन परिचालन के नियमों को और आसान बना दिया है। सरकार ने ड्रोन परिचालन के लिए भरे जाने वाले आवश्यक प्रपत्रों की संख्या 25 से घटाकर पांच कर दी है और लिए जाने वाले शुल्क के प्रकारों की संख्या 72 से घटाकर 4 कर दी है। ड्रोन नियमों को आसान बनाने के बाद नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मेरा मानना है कि इस समय सड़क पर चलने वाली टैक्सियों की तरह ड्रोन नीति के तहत हमें भी हवा में टैक्सियां नजर आ सकती हैं।

सिंधिया ने कहा कि रक्षा और गृह मंत्रालय और नागरिक उड्डयन प्रौद्योगिकी ब्यूरो ड्रोन रोधी तकनीक पर काम कर रहे हैं। सिंधिया ने कहा कि वैश्विक स्तर पर एयर टैक्सियों पर रिसर्च और अविष्कार किया जा रहा है और कई स्टार्टअप भी आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह समय दूर नहीं है जब टैक्सी, जैसे उबर आदि जिसे आप सड़कों पर देखते हैं, ड्रोन नीति के तहत आप इन्हें हवा में देखेंगे। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मेरा मानना है कि यह बहुत हद तक संभव है। मंत्री ने कहा कि रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय और बीसीएएस (नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो) एक साथ काम कर रहे हैं ताकि काउंटर रॉग ड्रोन तकनीक को विकसित किया जा सके और अपनाया जा सके। बता दें कि बड़े ड्रोन के लिए रिमोट पायलट लाइसेंस शुल्क को कम करके 3000 रुपए और सभी श्रेणी के ड्रोन के लिए शुल्क 100 रुपए कर दिया गया है, जो 10 वर्ष तक वैध रहेगा। साथ ही यूजर फ्रेंडली सिंगल विंडो सिस्टम आधारित डिजटल स्काई प्लेटफॉर्म का विकास किया जाएगा। इसके माध्यम से अधिकांश स्वीकृतियां डिजटली प्राप्त हो जाएंगी और संचालकों को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे।

दिल्ली एयरपोर्ट से अफगानी महिला सांसद को वापस लौटाया गया, कहा- उनके साथ एक अपराधी जैसा सलूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान के कब्जे वाले अफगानिस्तान से भारत के चल रहे निकासी अभियान के बीच, एक अफगान महिला सांसद ने अब दावा किया है कि उसे 20 अगस्त को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से वापस भेज दिया गया। महिला सांसद का नाम रंगिना कारगर है जो कि अफगानिस्तान में फरयाब प्रांत का प्रतिनिधित्व करती हैं। कारगर ने इस्तांबुल से भारत के लिए उड़ान भरी थी और दक्षिण दिल्ली के अस्पताल में सुबह 11 बजे का उनका अप्वाइंटमेंट था। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक कारगर के पास 22 अगस्त को इस्तांबुल जाने का टिकट भी था। लेकिन कारगर ने दावा किया है कि उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंचने के बाद वहां से बाहर नहीं निकलने दिया गया और बाद में उसी एयरलाइंस से दुबई के रास्ते इस्तांबुल वापस भेज दिया गया। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए रंगिना कारगर ने दावा किया कि उन्हें भारत से डिपोर्ट कर दिया गया और उनके साथ एक अपराधी जैसा व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि दुबई में उन्हें पासपोर्ट नहीं दिया गया। इस्तांबुल पहुंचने के बाद वापस दिया गया। रंगिना ने कहा है मुझे गांधीजी के भारत से इसकी कभी उम्मीद नहीं थी।

अब केवल 71 दिन, ममता बनर्जी की कुर्सी बचाने को फिर चुनाव आयोग पहुंची तृणमूल कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में काबिज हुईं ममता बनर्जी के लिए कुर्सी की चिंता बरकरार है। यदि अगले 71 दिनों में वह विधायक नहीं बनीं तो मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना होगा। यही वजह है कि तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को एक बार फिर चुनाव आयोग जाकर यह अपील की कि राज्य में जल्द से जल्द उपचुनाव कराया जाए। ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री बने रहने के लिए 5 नवंबर तक विधानसभा का सदस्य बनना होगा। टीएमसी नेता सौगत रॉय के नेतृत्व में टीएमसी के प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग के दफ्तर जाकर राज्य में जल्द उपचुनाव कराने की मांग की। टीएमसी ने इससे पहले भी दो बार अर्जी दी है तो खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी राज्य में बिना देरी किए उपचुनाव कराने की मांग कई बार कर चुकी हैं। सौगत रॉय ने कहा, हमने चुनाव आयोग को ज्ञापन दिया है कि पश्चिम बंगाल में सात सीटों पर जल्द से जल्द उपचुनाव काराया जाए। दरअसल, ममता

बनर्जी की पार्टी ने बंगाल में लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत तो हासिल कर लिया, लेकिन वह खुद बीजेपी नेता और अपने पूर्व सहयोगी शुभेंदु अधिकारी से नंदीग्राम सीट से हार गईं। नियम के मुताबिक, किसी ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री या मंत्री बनाया जा सकता है, जो विधानसभा या विधानपरिषद (जिन राज्यों में है) का सदस्य ना हो, लेकिन छह महीने के भीतर निर्वाचित होना अनिवार्य है।

नंदीग्राम में शुभेंदु अधिकारी से करीब 2 हजार वोट से हारने के बाद ममता बनर्जी ने इस सीट पर चुनाव परिणाम को कोर्ट में चुनौती दी है। कोर्ट में इसकी अगली सुनवाई 15 नवंबर को होगी। इसका मतलब है कि नंदीग्राम पर कोर्ट के फैसले से पहले ममता बनर्जी को किसी और सीट से चुनाव जीतना ही होगा, नहीं तो उन्हें मुख्यमंत्री का पद त्यागना होगा। पश्चिम बंगाल में भवानीपुर, दिनहाटा, सुती, सांतिपुर, समसेरगंज, खारदाह और जांगीपुर विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। ये सीटें मौतों या इस्तीफों की वजह से खाली हुई हैं।

असंगठित कामगारों के लिए नई पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के करोड़ों असंगठित कामगारों के पंजीकरण के लिए केंद्र सरकार ने एक नई व्यवस्था शुरू की है. देखना होगा कि ई-श्रम पोर्टल से वाकई असंगठित कामगारों को सामाजिक सुरक्षा मिल पाती है या नहीं.सरकार ने असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों का एक डेटाबेस बनाया है।

ई-श्रम नाम के इस डेटाबेस की शुरुआत केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंदर यादव ने की. इसके जरिए असंगठित क्षेत्र के 38 करोड़ श्रमिकों का पंजीकरण कराना सरकार का लक्ष्य है. इनमें निर्माण क्षेत्र के मजदूर, प्रवासी मजदूर, रेहड़ी-पटरी वाले और घरों में काम करने वाले और अन्य श्रमिक शामिल हैं। इस डेटाबेस में शामिल किए जाने वाले श्रमिकों को 12 अंकों का एक यूनीक नंबर दिया जाएगा. उम्मीद की जा रही है कि भविष्य में इसी नंबर के जरिए उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाएगा. पंजीकरण तो आज ही से शुरू हो गया लेकिन इस डेटाबेस के इस्तेमाल के बारे में सरकार ने अभी विस्तृत जानकारी नहीं दी है. 90 प्रतिशत कामगार असंगठित जानकारों का अनुमान है कि भारत में कम से कम 80 प्रतिशत कामगार असंगठित क्षेत्रों में काम करते हैं. संगठित क्षेत्रों में भी कई अनियमित

श्रमिक काम करते हैं. उनकी संख्या भी अगर जोड़ दी जाए तो देश में कुल असंगठित कामगारों की तादात 90 प्रतिशत या करीब 45 करोड़ तक पहुंच जाती है।

असंगठित होने की वजह से इन्हें नियमित रोजगार, जायज वेतन, इलाज का खर्च, बीमा और भविष्य निधि जैसी सुविधाएं नहीं मिल पातीं. साथ ही आर्थिक आंकड़े इकट्ठे करने में इनकी गिनती नहीं हो पाती जिसकी वजह से आंकड़े भी असली तस्वीर को दिखा नहीं पाते हैं. अगर वाकई इस तरह का डेटाबेस बनता है और इसमें असंगठित कामगारों का पंजीकरण होता है तो यह कदम सही दिशा में होगा. हालांकि बात सिर्फ पंजीकरण तक सीमित नहीं है।

कई और सवालों पर काम करना होगा. क्या मिल पाएंगे अधिकार? नई दिल्ली स्थित सेंटर फॉर एम्प्लॉयमेंट स्टडीज के निदेशक रवि श्रीवास्तव कहते हैं कि अभी यह देखना होगा कि इस पोर्टल पर पंजीकृत होने वाले कामगारों के विशेष कार्ड को आधार के साथ जोड़ा जाएगा या नहीं। उन्होंने यह भी बताया कि पंजीकरण के पीछे ऐसे व्यवस्था होनी चाहिए जिसमें सभी कामगारों को अधिकार और सुविधाएं मिल पाएं. मुख्य रूप से प्रवासी श्रमिक योजनाओं और सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं, क्योंकि वो जहां से निकल जाते वहां तो उन्हें वो सुविधाएं नहीं ही मिलतीं, जहां जाकर वो काम कर रहे होते हैं वहां भी उन्हें उन सुविधाओं के बिना ही रहना पड़ता है. रवि श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि अगर यह नई व्यवस्था नई श्रम संहिताओं या लेबर कोड के अनुकूल बनेगी तो कॉन्ट्रैक्ट वर्कर, कैजुअल वर्कर आदि जैसे कई श्रमिक इससे बाहर हो जाएंगे. बहरहाल, अभी यह पहल शुरूआती चरण में ही है. आने वाले दिनों में जब इससे संबंधित और जानकारी सामने आएगी तो इसका बेहतर मूल्यांकन संभव हो पाएगा।

तालिबान को चुभ गई मोदी की आतंक की सत्ता स्थायी नहीं रहती वाली बात, कहा- जल्द भारत देखेगा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कहना कि आतंक की सत्ता स्थायी नहीं रहती तालिबान को कड़वा लग गया है। तालिबान के प्रमुख नेता शहाबुद्दीन दिलावर ने इसे चुनौती के रूप में लेते हुए दावा किया है कि उसका संगठन सफल रहेगा। पीएम मोदी की बात पर प्रतिक्रिया देते हुए दिलावर ने कहा कि भारत जल्द देखेगा कि तालिबान देश को ठीक तरीके से चला सकता है। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमनाथ मंदिर से जुड़े कई विकास कार्यों का

उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए करते हुए तालिबान का जिक्र किए बिना यह बात कही थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, भगवान सोमनाथ का मंदिर आज भारत ही नहीं, पूरे विश्व के लिए एक विश्वास है। जो तोड़ने वाली शक्तियां है... जो आतंक के बलबूते सामर्थ्य खड़ा करने वाली सोच है... वह किसी कालखंड में कुछ समय के लिए भले ही हावी हो जाए लेकिन उसका अस्तित्व कभी अस्थाई नहीं होता। वह ज्यादा दिनों तक मानवता को दबाकर नहीं रख सकतीं। प्रधानमंत्री के इस बयान को अफगानिस्तान की परिस्थितियों से जोड़कर देखा गया। तालिबानी नेता ने रेडियो पाकिस्तान को दिए इंटरव्यू में भारत को यह भी चेतावनी दी कि अफगानिस्तान के आंतरिक मामलों में दखल ना दिया जाए। दिलावर ने कहा पाकिस्तान को दोस्ताना देश बताते हुए 30 लाख से अधिक अफगानियों को शरण देने के लिए धन्यवाद दिया।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025

अगर अमेरिका पीछे खड़ा होता तो अफगानी सेना आत्मसमर्पण नहीं करती : सीआईए पूर्व डायरेक्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाइडेन प्रशासन के अफगानिस्तान से बाहर निकलने के फैसले की हर तरह तरफ आलोचना हुई है। अब पूर्व अमेरिकी सीआईए निदेशक और अफगानिस्तान में पूर्वी अमेरिकी कमांडर जनरल डेविड पेट्रियस ने भी आलोचना करते हुए कहा है कि अफगानिस्तानी सेना के पीछे अगर अमेरिका खड़ा होता तो वे सरेंडर नहीं करते। एक विशेष बातचीत में, पूर्व अमेरिकी सीआईए निदेशक और अफगानिस्तान में पूर्व अमेरिकी कमांडर, जनरल डेविड पेट्रियस ने कहा कि उन्होंने (अफगान सेना) ने आत्मसमर्पण नहीं किया होता अगर उन्हें लगता कि अमेरिकी सेना के ड्रोन, हवाई सपोर्ट, आपातकालीन आपूर्ति इत्यादि का सपोर्ट मिलता। ऐसे में अमेरिकी सेना के बदले में, अफगान वायु सेना महत्वपूर्ण कड़ी बन गई। ऐसे में अफगान बलों ने महसूस किया कि उनके पीछे कोई नहीं खड़ा है।उन्होंने कहा कि जब देश के विभिन्न दलों ने एक साथ दबाव में आकर तालिबान के सामने आत्मसमर्पण करना शुरू किया तो देश में और पूरे अफगान बलों में आत्मसमर्पण की महामारी फैल गई। पूर्व अमेरिकी जनरल ने कहा कि तालिबान को पाकिस्तान का समर्थन नहीं मिलता तो अफगानिस्तान युद्ध नहीं हारा होता। उन्होंने परिणाम को

दिल दहला देने वाला दुखद और विनाशकारी बताते हुए कहा कि निश्चित रूप से अफगानिस्तान में अफगान और गठबंधन बलों को जीत हासिल करने के लिए कोई रास्ता नहीं बचा था। ऐसा इसलिए क्योंकि तालिबान नेता और प्रमुख मुख्यालय पाकिस्तान में हमारी पहुंच से बाहर थे। उन्होंने कहा कि चुनौतियों को रोका जा सकता था। यहीं वजह है कि 20 सालों को बलिदान, कड़ी मेहनत और भारी नुकसान से जो कुछ भी हासिल किया गया था उसका नुकसान हुआ है। इसके साथ-साथ पेट्रियस ने तालिबान के कब्जा जमाने के बाद निकासी प्रक्रिया पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिकी नागरिकों और अफगान सहयोगियों को और तेजी से निकाला जा सकता था। उन्होंने आगे कहा कि अफगानिस्तान की महिलाओं के लिए अमेरिका ने जो कुछ पीछे छोड़ा है, वह कयामत जैसा है।

काबुल एयरपोर्ट से उड़ान भरते ही इटली के सैन्य विमान पर फायरिंग, सवार थे 100 अफगान नागरिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाले इटली के सैन्य परिवहन विमान पर गोलियां चलाई गईं हैं। इटली के रक्षा मंत्रालय ने एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। सूत्र ने बताया कि इस घटना में विमान को कोई नुकसान नहीं हुआ है। यह घटना ऐसे समय पर हुई जब अमेरिका सहित कई देशों ने काबुल एयरपोर्ट पर आतंकी हमले की चेतावनी दी है और अपने नागरिकों को यहां से दूर रहने को कहा है। उड़ान में यात्रा कर रहे एक इतालवी पत्रकार ने स्काई 24 टीजी को बताया कि विमान लगभग 100 अफगान नागरिकों को ले जा रहा था, लेकिन उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद उस पर फायरिंग की गई। अभी यह जानकारी नहीं मिली है कि इस फायरिंग के पीछे कौन है। काबुल एयरपोर्ट पर इस्लामिक स्टेट के हमले को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है।बता दें कि तालिबान का काबुल पर कब्जा जमाने के बाद अमेरिका, इटली समेत कई देश अपने और वहां के नागरिकों को निकालने में जुटे हुए हैं। इसके लिए सेना के विमान का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।

अफगानिस्तानः पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई को तालिबान ने किया नजरबंद, पूर्व विदेश मंत्री को घर में किया कैद, कार भी जब्त

नई दिल्ला (एजेंसी)। तालिबान ने अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई और देश के पूर्व विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुलह परिषद के अध्यक्ष अब्दुल्ला अब्दुल्ला को घर में कैद कर दिया है। दोनों नेताओं को नजरबंद करने के बाद उनसे उनकी सुरक्षा भी वापस ले ली गई है। बताया जा रहा है कि अब यह दोनों नेता अब आतंकवादी गुट के रहम-ओ-करम पर हैं। इन दोनों राजनीतिज्ञों से उनकी कार भी वापस ले ली गई है। काबुल पर कब्जा करने के बाद तालिबान ने वादा किया था कि वो एक समावेशी सरकार का गठन करेगा। इस ग्रुप की पूर्व राष्ट्रपति हामिद कगरजई और विदेश मंत्री अब्दुल्ला अब्दुल्हा से बातचीत भी हुई थी। तालिबान के काबुल पर कब्जे के बाद दोनों ही नेता काबुल में ही रह रहे थे। सीएनएन के हवाले से रूसी न्यूज एजेंसी स्पुतनिक ने बताया है कि तालिबान ने इन दोनों नेताओं की कारों को भी जब्त कर लिया है। ऐसे में हामिद करजई और ब्दुल्ला अब्दुल्ला इस समय पूरी तरह से तालिबान की दया पर आश्रित हैं। सीएनएन के मुताबिक तालिबान ने बुधवार को अब्दुल्ला अब्दुल्ला के घर की तलाशी ली थी। हालांकि, अभी यह पता नहीं चल सका है कि तालिबान ने दोनों नेताओं को नजरबंद क्यों किया है। पिछले सप्ताह अब्दुल्ला अब्दुल्ला और करजाई ने काबुल में कार्यवाहक गवर्नर अब्दुल रहमान मंसूर से मुलाकात की थी। मंसूर को तालिबान ने ही नियुक्त किया था। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं की गवर्नर से प्राथमिकता के तौर पर लोगों की जान बचाने, प्रॉपर्टी की सुरक्षा करने और काबुल के नागरिकों के भाग्य को लेकर चर्चा हुई थी। अब्दुल्ला ने अब्दुल रहमान मंसूर से कहा था कि कि काबुल में सामान्य स्थिति होने के बाद यह जरुरी है कि यहां के लोग खुद को सुरक्षित महूसस करें।